डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 10.02.2025 से 16.02.2025

► वर्ष-42 ► अंक-07 ► मूल्य ₹ 10.00

मुख्यमंत्री ने परियोजना के संबंध में दोनों राज्यों के अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना है विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड वाटर रीचार्ज परियोजना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज एवं कन्हान उप कछार परियोजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित बैठक में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये

भोपाल, ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज योजना विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड रीचार्ज परियोजना है। इस अंतर्राज्यीय संयुक्त परियोजना का अवरोध अब दूर हो गया है तथा हम शीघ्र ही महाराष्ट्र सरकार के साथ चर्चा कर करार करने की ओर बढ़ रहे हैं। जल्द ही केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को भोपाल आमंत्रित कर करार की कार्यवाही की जाएगी। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज एवं कन्हान उप कछार परियोजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित बैठक में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों ही परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं। ताप्ती मेगा रिचार्ज योजना के जरिए हम महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ताप्ती नदी की तीन धाराएं बनाकर राष्ट्रहित में नदी जल की बूंद-बूंद का उपयोग सुनिश्चित कर कृषि भूमि का कोना-कोना सिंचित करेंगे।

ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना

ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्यों की संयुक्त परियोजना के रूप में प्रस्तावित है। इस योजना से मध्यप्रदेश के 1,23,082 हेक्टेयर क्षेत्र में एवं महाराष्ट्र के 2,34,706 सेक्टर में सिंचाई प्रस्तावित है। योजना में भूजल भंडारण का विस्तार किया जाएगा।

परियोजना एक नजर में

- योजना की प्रशासकीय स्वीकृति राशि रुपये 5470.95 करोड़ वर्ष 2019 में जारी की गई।
- इसमें संगम एक, संगम दो, रामघाट एवं पांढुर्णा बांध का निर्माण कार्य होगा।
- सिंचाई क्षेत्र एक लाख 90 हजार 500 हेक्टेयर होगा।
- औद्योगिक क्षेत्र के लिए 20 मिलियन घन मीटर जल आरक्षित होगा।
- ताप्ती नदी की तीन धाराएं बनाकर कृषि भूमि का कोना-कोना करेंगे सिंचित।
- मध्यप्रदेश में एक साल में तीसरी महत्वपूर्ण अंतर्राज्यीय नदी परियोजना कार्य जारी।

मध्यप्रदेश विकास की यात्रा पर बढ़ रहा आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश अपने विकास की यात्रा में सभी सेक्टर्स में लगातार काम कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उनकी भावना के अनुसार हम मध्यप्रदेश की नदियों का आसपास के राज्यों से सुखद और दोनों राज्यों के हितों के बंटवारे के क्रम को लगातार बनाए हुए हैं। हमारे राज्य के किसानों के खेतों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिले, पीने के पानी के साथ-साथ औद्योगीकरण के लिए भी पर्याप्त पानी दिया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना पूरा होने पर प्रदेश के 1 लाख 23 हजार 82 हेक्टेयर भू-क्षेत्र और महाराष्ट्र के 2 लाख 34 हजार 706 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की स्थाई सुविधा उपलब्ध होगी।

जापान यात्रा में उम्मीदों से बढ़कर मिली सफलताएं- मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक के पहले मंत्रिपरिषद के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश के संदर्भ में जापान यात्रा में कई मायनों में उम्मीदों से बढ़कर सफलताएं मिली हैं। जापान यात्रा के दौरान अनेक सेक्टर में निवेश के लिए उद्योगपतियों ने अपनी रुचि दिखाई है। ऑटोमोबाइल एवं उससे जुड़ी कंपनियों एवं विशेष रूप से कपास उत्पादन के क्षेत्र में निवेशक रेडीमेड गारमेंट को लेकर आगे आए हैं। रेडीमेड गारमेंट उद्योग क्षेत्र में जापान के सबसे अमीर उद्योगपति ने मध्यप्रदेश में निवेश पर रुचि दिखाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पास विभिन्न सेक्टर में दोनों ही प्रकार के कुशल एवं अकुशल मानव संसाधन उपलब्ध हैं।

मध्यप्रदेश को रेल बजट में मिली अभूतपूर्व सौगातें

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में पेश केन्द्रीय बजट में मध्यप्रदेश के लिए रेलवे सुविधाओं के लिए 14 हजार 745 करोड़ रुपये के बजट आवंटन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त कर मध्यप्रदेश के नागरिकों की ओर से धन्यवाद दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार मध्यप्रदेश को रेलवे से संबंधित विकास कार्यों के लिए इतनी अधिक राशि का आवंटन हुआ है। केन्द्रीय रेल मंत्री ने मध्यप्रदेश में शत-प्रतिशत रेल विद्युतिकरण पर प्रसन्नता व्यक्त की है। मध्यप्रदेश से रेल मंत्रालय को पूरा सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष मध्यप्रदेश को इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन और इंदौर से दाहोद गुजरात तक धार होकर जाने वाली रेल परियोजना की स्वीकृति के कार्य हुए हैं।

/संक्षिप्त खबर/

स्कूटी खरीदने के लिए सभी जिलों को राशि भेजी गई है- मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रावीण्य सूची के बच्चों को स्कूटी का वितरण किया जा चुका है। इसके लिए सभी जिलों को राशि पहुंचा दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक समय में बच्चों के बौद्धिक विकास में लैपटॉप सहायक है, जल्द ही विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए राशि अंतरित की जाएगी।

सात नगरीय निकायों में जल प्रदाय योजना का काम पूरा

भोपाल, मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा जबलपुर परियोजना इकाई के अतंर्गत 7 नगरीय निकायों में जल प्रदाय योजना का काम पूरा कर लिया गया है। यह कंपनी नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के अंतर्गत कार्य कर रही है। एशियन डेवपलमेंट बैंक की सहायता से नर्मदा पेयजल योजना तैयार की गई है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रदेश में चल रहे जनकल्याण अभियान के सामने आए उत्साहजनक परिणाम

भोपाल, मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 11 जनवरी 2024 से 26 जनवरी 2025 तक संचालित जनकल्याण अभियान में प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण के जो परिणाम प्राप्त हुए हैं, वह उत्साहजनक हैं। अभियान में प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों एवं वार्ड में कुल 30 हजार 716 शिविरों में 42.96 लाख आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 41.71 लाख आवेदन स्वीकृत किये जा चुके हैं। आयुष्मान भारत योजना के सर्वाधिक 9.91 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं, इनमें से 9.81 लाख स्वीकृत किये गये। सर्वाधिक आवेदनों में 8.64 लाख आवेदन चालू खसरा, खतौनी, 3.24 लाख चालू नक्शों की प्रतिलिपियां, 2.7 लाख नो ड्यूज प्रमाण-पत्र, 2.2 लाख निर्माण श्रमिक पंजीयन और 1.27 लाख आवेदन नक्शा शुद्धिकरण के लिये स्वीकृत हुये हैं। भोपाल में सर्वाधिक आवेदन 2.40 लाख, छिंदवाड़ा 2.18 लाख, उज्जैन 2.13, इन्दौर 1.20 और मुरैना 1.19 लाख प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर के कारण राजस्व अधिकारी जुडिशरी में व्यस्तता और राजस्व के रोजमर्रा कार्यों के बीच संतुलन रखने में कठिन महसूस करते हैं, इस पर विचार किया जाना है।

मध्यप्रदेश को लगातार 7 बार मिले हैं कृषि कर्मण अवॉर्ड

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयास से कृषि क्षेत्र में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। मध्यप्रदेश को वर्ष 2011-12 से 2017-18 तक लगातार 7 बार कृषि कर्मण अवॉर्ड से पुरस्कृत किया गया है। प्रदेश को वर्ष-2011-12, 2012-13 एवं 2014-15 में कुल खाद्यान्न केटेगरी, वर्ष- 2013-14, 2015-16 एवं 2016-17 में गेहूं फसल और वर्ष 2017-18 में दलहन फसल के लिये कृषि कर्मण अवॉर्ड मिला है। वर्ष-2022 में मध्यप्रदेश के भू-अभिलेखों के एकीकरण के लिये केन्द्र सरकार द्वारा फसल बीमा योजनांतर्गत उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया है।

गरीब बंदियों को सहायता देने में मध्यप्रदेश देश में प्रथम - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भोपाल, गरीब बंदियों को जमानत एवं जुर्माना अदा करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने में मध्यप्रदेश देश में प्रथम है। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों को 25 हजार रुपये तक की जुर्माना राशि मंजूर की जाती है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने अब तक 31 बंदियों को जुर्माना एवं जमानत के रूप में 6 लाख 43 लाख 517 रुपये की राशि मंजूर की है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन में जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं विभाग की समीक्षा बैठक को निर्देशित करते हुये कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 479 के प्रावधानों का पालन करने में भी मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य है। इस धारा में यह प्रावधान है कि "जेल अधीक्षक, जेल में निरुद्ध अभियुक्त व्यक्ति के उपबंधित कारावास की आधार या एक-तिहाई अवधि पूर्ण होने पर, ऐसे व्यक्ति को जमानत पर निर्मुक्त करने संबंधित माननीय न्यायालय को कार्रवाई करने के लिए तुरन्त लिखित में आवेदन करेगा।"

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में जेल विभाग के कार्यों की समीक्षा की

प्रदेश की सभी जेलों में जारी है ई-प्रिजन व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सभी जेलों में ई-प्रिजन व्यवस्था लागू है। इस व्यवस्था में बंदियों से संबंधित जानकारियों को निरंतर अद्यतन किया जाता है। ई-प्रिजन मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए (लीगेसी डाटा के साथ) अब तक कुल 13 लाख 17 हजार 303 आमद दर्ज की जा चुकी है। आईसीजेएस के माध्यम से 1 लाख 31 हजार से अधिक बंदियों की जानकारी प्रविष्टि भी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 जुलाई 2024 से अब तक नवीन आपराधिक कानून के अंतर्गत ई-प्रिजन पर 48 हजार 139 बंदियों की आमद हुई है। जेलों की क्षमता में वृद्धि के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

1 फरवरी

म्यूचुअल फंड्स के साथ टर्म लाइफ इंश्योरेंस का विकल्प चुन सकेंगे

● निवेशक जल्द ही म्यूचुअल फंड के साथ टर्म लाइफ इंश्योरेंस का विकल्प चुन सकेंगे।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
Securities and Exchange Board of India

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रमुख श्रीमती माधबी पुरी बुच ने बताया कि इस कॉम्बो प्रोडक्ट के प्रस्ताव पर जल्द ही एक परामर्श पत्र जारी किया जाएगा। यह प्रोडक्ट खासतौर पर उन निवेशकों के लिए तैयार किया जा रहा है, जो ग्रामीण और कम सेवा वाले क्षेत्रों में रहते हैं। इसका उद्देश्य सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की पहुंच को व्यापक बनाना है। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोडक्ट में टर्म लाइफ इंश्योरेंस का प्रीमियम बहुत कम होगा। सेबी डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने के लिए भी परामर्श पत्र लाने की योजना बना रहा है।

● भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर के शोधकर्ताओं समेत अंतर्राष्ट्रीय टीम ने सिक्किम बाढ़ के कारणों का विश्लेषण किया है। विश्लेषण में यह सामने आया कि सिक्किम में आई बाढ़ का कारण भूस्खलन था, जो भारी वर्षा और जलवायु परिवर्तन के कारण हुआ था। यह बात 'साइंस' जर्नल में प्रकाशित शोध में कही गई है।

2 फरवरी

मध्यप्रदेश में लगेंगे चार परमाणु ऊर्जा संयंत्र

● भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम (एनपीसीआईएल) मध्यप्रदेश में चार नए न्यूक्लियर प्रोजेक्ट लगाएगी। प्रोजेक्ट के लिए एनपीसीआईएल जल्द ही सर्वे शुरू करेगी। केंद्र सरकार ने बजट में विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन का भी प्रावधान किया है। 20 हजार करोड़ रुपये के आवंटन के साथ लघु माड्यूलर रिएक्टर्स (एसएमआर) के अनुसंधान तथा विकास के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन स्थापित किया जाएगा। वर्ष 2033 तक पांच स्वदेश विकसित एसएमआर संचालित किए जाएंगे। राज्यों द्वारा बिजली वितरण सुधारों और अंतर-राज्य ट्रांसमिशन क्षमता के संवर्धन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार बिजली कंपनियों की वित्तीय स्थिति और क्षमता में छूट देगी। राज्यों को इन सुधारों पर कार्य करने पर जीएसडीपी की 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त उधारी की अनुमति दी जाएगी।

● बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) सत्र 2024-25 स्नातक कोर्स की परीक्षाएं 13 मार्च से शुरू करेगा। इस तारीख से प्रायोगिक परीक्षा शुरू की जाएंगी। वहीं मुख्य परीक्षा एक अप्रैल से शुरू की जाएगी। इसको लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बीयू ने फर्स्ट ईयर, सेकंड ईयर और थर्ड ईयर के परीक्षा फार्म जमा करने के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही पेपर सेटिंग की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इस बार विश्वविद्यालय ने तीन वर्षों की परीक्षाएं एक साथ शुरू करने की योजना तैयार की है। रोजाना तीन शिफ्ट में परीक्षा होगी। हर एक शिफ्ट में एक वर्ष के छात्रों की परीक्षा ली जाएगी।

3 फरवरी

डीआरडीओ ने किया वायु रक्षा प्रणाली का सफल परीक्षण

● भारत ने स्वदेशी पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम बनाने में कामयाबी हासिल की है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के चांदीपुर में वेरी शार्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (वीएसएचओआरडीएस) मिसाइल का सफल परीक्षण किया। यह मिसाइल प्रणाली कम ऊंचाई पर उड़ने वाले दुश्मन के किसी भी ड्रोन या अन्य लक्ष्य को सटीक तरीके से नष्ट कर सकती है। यह मिसाइल प्रणाली भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। यह देश में एयर डिफेंस सिस्टम को और मजबूत बनाएगी।

● मध्यप्रदेश में 8500 पुलिसकर्मियों की भर्ती की जाएगी। इसमें 7500 सिपाही, 500 सब इंस्पेक्टर और 500 ऑफिस स्टाफ के पद शामिल हैं। गृह विभाग ने सबइंस्पेक्टर पदों के भर्ती नियमों में संशोधन किया है। 7500 सिपाहियों की भर्ती को भी जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है। प्रदेश के डीजीपी श्री कैलाश मकवाणा ने पद संभालने के बाद समीक्षा में पाया कि मध्यप्रदेश पुलिस के पास वर्तमान बल सिर्फ एक लाख है, जबकि 25 हजार पद रिक्त हैं। प्रत्येक वर्ष 500-700 पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिससे रिक्त पदों की संख्या बढ़ती जा रही है। गृह विभाग ने एसआई पदों की भर्ती के लिए नियमों में संशोधन किया है।

4 फरवरी

सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के लिये जारी किये एडमिट कार्ड

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। यह एडमिट कार्ड स्कूलों द्वारा डाउनलोड किए जा सकते हैं। स्कूल से छात्र एडमिट कार्ड प्राप्त कर सकेंगे। बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू हो रही हैं। एडमिट कार्ड में रोल नंबर के अलावा संबंधित परीक्षार्थी की जन्म तिथि, अभिभावकों के नाम, छात्र किन विषयों की परीक्षा में शामिल होगा इसका उल्लेख आदि रहेगा। स्कूलों को भी निर्देश दिए गए हैं कि छात्रों को यह जानकारी दें कि परीक्षा केंद्र में सुबह 10 बजे के बाद उन्हें प्रवेश नहीं मिलेगा। इसलिए वे समय का विशेष ध्यान रखें। परीक्षार्थी को यूनिफॉर्म में परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा। इसी के साथ स्कूल की आईडी कार्ड भी अपने साथ रखना होगा।

● राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित सीयूईटी पीजी में इस बार रजिस्ट्रेशन के दौरान छात्रों को विश्वविद्यालय चुनने का विकल्प नहीं दिया गया। अब परीक्षा के बाद जब परिणाम आएगा तो छात्र किसी भी विश्वविद्यालय की काउंसलिंग में शामिल हो सकेंगे। उन्हें इसके लिए अलग से संबंधित विश्वविद्यालय की काउंसलिंग का रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। इसमें बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के पीजी प्रोग्राम भी शामिल रहेंगे। बीयू सीयूईटी के माध्यम से करीब 35 कोर्सेस में एडमिशन होते हैं। सीयूईटी का परिणाम आने के बाद बीयू द्वारा रजिस्ट्रेशन की लिंक ओपन की जाएगी।

5 फरवरी

आर्टिफिशियल फोटोसिंथेसिस की मदद से वैज्ञानिकों ने बनाया रॉकेट ईंधन

● चीन के वैज्ञानिकों ने तियानगोंग अंतरिक्ष स्टेशन में आर्टिफिशियल फोटोसिंथेसिस (कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण) तकनीक का इस्तेमाल कर ऑक्सीजन एवं ईंधन बनाने में कामयाबी हासिल की है। चीन के शेनझोउ-19 कर्मी दल के सदस्यों की इस सफलता ने भविष्य में लंबे अंतरिक्ष अभियानों के लिए रास्ता खोल दिया है। यह तकनीक वर्ष 2030 तक चीनी यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने के दौरान मददगार साबित हो सकती है। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ऑक्सीजन उत्पन्न करने के लिए इलेक्ट्रोलिसिस तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

● बैंक ग्राहकों को अब एटीएम से नकद राशि निकालने पर ज्यादा शुल्क देना पड़ सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एटीएम कैश ट्रांजैक्शन और इंटरचेंज शुल्क बढ़ाने पर विचार कर रहा है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने पांच ट्रांजैक्शन के बाद प्रति ट्रांजैक्शन पर अधिकतम शुल्क 21 रुपये से बढ़ाकर 22 रुपये करने की सिफारिश की है। इसके साथ ही एनपीसीआई ने एटीएम इंटरचेंज शुल्क को नकद लेनदेन के लिए 17 रुपये से बढ़ाकर 19 रुपये और गैर-नकद लेनदेन के लिए 6 रुपये से बढ़ाकर 7 रुपये करने की सिफारिश की है।

6 फरवरी

भारत फिर से संयुक्त राष्ट्र के 'ऑनर रोल' में शामिल

● भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के 'ऑनर रोल' में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने इसकी घोषणा की। भारत ने समय पर अपनी नियमित बजट देनदारी का भुगतान कर दिया है। वित्तीय नियम 3.5 के तहत निर्धारित 30 दिनों की अवधि के भीतर यह भुगतान किया गया, जिससे भारत उन चुनिंदा सदस्य देशों में शामिल हो गया जिन्होंने वित्तीय प्रतिबद्धताओं को समय पर पूरा किया है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रत्येक वर्ष दिसंबर में अपने नियमित बजट को मंजूरी देती है, जिसके बाद सदस्य देशों से 'स्केल ऑफ असेसमेंट' के आधार पर वित्तीय योगदान मांगा जाता है। सदस्य देशों को जनवरी की शुरुआत में भुगतान नोट जारी किया जाता है, जिसे समय पर चुकाने वाले देशों को 'ऑनर रोल' में शामिल किया जाता है।

● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने यूजी और पीजी कार्यक्रमों के लिए निफ्ट प्रवेश परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए उम्मीदवारों को रजिस्ट्रेशन नंबर और जन्म तिथि सहित लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करना होगा। निफ्ट प्रवेश परीक्षा-2025 हिंदी और अंग्रेजी में देश को 81 शहरों में स्थित लगभग 92 केंद्रों में आयोजित की जाएगी।

7 फरवरी

भारत वर्ष 2027 में लांच करेगा चंद्रयान-4 मिशन

● विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि भारत वर्ष 2027 में

चंद्रयान-4 मिशन को लांच करेगा। मिशन का उद्देश्य चंद्रमा की सतह से चट्टानों के नमूने एकत्र कर पृथ्वी पर लाना है। चंद्रयान-4 मिशन के तहत दो अलग-अलग प्रक्षेपण किए जाएंगे, जिनमें अत्यधिक वजन ले जाने वाले प्रक्षेपण यान (एलवीएम-3) के माध्यम से मिशन के पांच उपकरणों को भेजा जाएगा। उन्हें अंतरिक्ष में एक-दूसरे से जोड़ा जाएगा। श्री सिंह ने यह भी बताया कि गगनयान को अगले वर्ष अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। मिशन के अंतर्गत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजा जाएगा और सुरक्षित रूप से धरती पर वापस लाया जाएगा।

● ऑनलाइन उपभोक्ता सेवाएं दे रही एग्रिगेटर कंपनियों के प्लेटफार्म पर काम कर रहे एक करोड़ से अधिक गिग वर्कर्स को ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) पेंशन सुविधा के दायरे में लाया जाएगा। श्रम मंत्रालय ने गिग वर्कर्स को ईपीएफओ पेंशन सुविधा देने के प्रस्ताव का मसौदा लगभग तैयार कर लिया है, इसे जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। बिना किसी सामाजिक सुरक्षा कवच के काम कर रहे गिग वर्कर्स को पेंशन देने के लिए एग्रिगेटर कंपनियों से एक न्यूनतम अंशदान लिया जाएगा। इसके लिए उनके हर बिलिंग लेन देन से दो या तीन प्रतिशत राशि पेंशन अंशदान के लिए ली जाएगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

PATEL GROUP OF INSTITUTIONS, INDORE
PATEL COLLEGE OF SCIENCE & TECHNOLOGY, INDORE
PATEL COLLEGE OF MANAGEMENT, INDORE
Estd. 2002 PATEL COLLEGE OF PHARMACY, INDORE
(Ralamandal, Indore, (M.P.) 452020)
(Approved by AICTE & PCI, New Delhi, Affiliated to RGPV & DAVV, Indore)
REQUIREMENT FOR THE POST OF
Principal / Professor / Associate Professor /
Assistant Professor / Lecturer in CSE, EC, EE, ME, CE /
Mathematics, Physics, Chemistry,
Communication Skills, MBA / Pharmacy - (Under Code 28/30)
Apply within 7 days with all your testimonials on hrindore@patelcollege.com
Contact: 0731-2437100 | Qualifications & experience as per AICTE/PCI/UGC Norms.
R-50563/2025

SERUM
Edu SerumX College of Commerce and Management
(Affiliated to DAVV)
Applications are invited for the
Post of Principal and Competent Academicians for
Professors, Associate Professors & Assistant Professors Commerce,
Management, Hindi, English, Communication Skills
QUALIFICATION & EXPERIENCE AS PER AICTE/UGC/DAVV/COLLEGE CODE-28 NORMS
Interested candidates are requested to mail their Bio-Data
within 7 Days to hr.eduserumX@gmail.com
260, Hill Top, Sarvsammpanna Nagar, Manavta Nagar, Indore, M.P.
Contact : 9893704160 Email: eduserumX@gmail.com
R-50562/2025

ARIHANT COLLEGE
Approved by AICTE, MP Higher Education, Affiliated with DAVV
"NAAC Accredited"
2006
Selection Under College Code 28
Invites applications for BCA, BBA (Plain),
BBA (H.A.), B.Com, B.A. and MBA Programmes
Principal
Minimum qualification as per AICTE/ UGC regulations
Interested candidates can send their resume with relevant documents
& experience certificates to the below address within 8 days.
453 Khandwa Road, Opp. Radha Soami Satsang, Indore (M.P.)
Email: arihantcollege@gmail.com, Ph.: 0731-2461303, 98273 69944
R-50570/2025

वर्ष 42, अंक 07 10.02.2025 से 16.02.2025
रोज़गार और निर्माण
rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

उद्योगों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आईटी, आईटीइएस और ईएसडीएम से जुड़ी कंपनियां होंगी शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में 24-25 फरवरी 2025 को भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में आईटी, आईटीइएस और ईएसडीएम सेक्टर की बड़ी कम्पनियां शामिल होंगी। जिससे मध्यप्रदेश इस सेक्टर में भी नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। सूचना प्रौद्योगिकी अब केवल एक सेक्टर नहीं, बल्कि हर उद्योग की आधारभूत आवश्यकता बन चुका है। स्वास्थ्य से लेकर कृषि, शिक्षा और उद्योग सहित हर क्षेत्र में आईटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। मध्यप्रदेश इस बदलाव का केंद्र बन रहा है, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्ट-अप्स और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी मिलकर नए अवसरों को जन्म दे रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार की आईटी और ईएसडीएम नीति, डेटा सेंटर पार्क, आईटी पार्क्स और इनक्यूबेटर्स के विकास ने प्रदेश को तकनीकी निवेश के लिए आकर्षक स्थान बनाया है। इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहर आईटी कंपनियों के नए केंद्र बन रहे हैं। डिजिटल इंडिया मिशन के साथ कदम मिलाकर मध्यप्रदेश अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, बिग डेटा, ब्लॉक-चेन और साइबर सिक्योरिटी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आज आईटी सेक्टर ही नहीं बल्कि मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स और एग्रीटेक सेक्टर में भी तकनीकी नवाचार हो रहे हैं। राज्य में 15 आईटी पार्क और 5 आईटी स्पेशल इकोनॉमिक जोन पहले से कार्यरत हैं और आने वाले वर्षों में इंदौर में क्रिस्टल आईटी पार्क-3 और 4, पचास एकड़ में डेटा सेंटर पार्क, जबलपुर में 1 लाख वर्गफुट का आईटी टॉवर और कई अन्य परियोजनाएं डिजिटल विकास को नई गति देंगी। मध्यप्रदेश केवल आईटी निवेश के लिए नहीं, बल्कि वर्क-लाइफ बैलेंस, किफायती ऑपरेशनल लागत और सरकारी सहयोग के कारण भी स्टार्ट-अप्स और आईटी कंपनियों के लिए एक आदर्श स्थान बन रहा है। मध्यप्रदेश अपने रणनीतिक स्थान, निवेश अनुकूल नीतियों और अत्याधुनिक अवसंरचना के कारण तेजी से आईटी, आईटीईएस (इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी इनेबल्ड सर्विसेज) और ईएसडीएम (इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिझाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग) के लिए एक प्रमुख हब बन रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस-2025) में इस क्षेत्र में निवेश की व्यापक संभावनाओं को प्रस्तुत किया जाएगा। मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति इसे पूरे देश के बाजारों तक सीधा और सुगम संपर्क प्रदान करती है। राज्य में 6 प्रमुख हवाई अड्डे और 6 इनलैंड कंटेनर डिपो मौजूद हैं, जिससे वैश्विक व्यापार को गति मिलती है। प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों और समर्पित फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ा यह राज्य लॉजिस्टिक्स और परिवहन के लिए भी अनुकूल है। वर्तमान में 1 मिलियन वर्गफुट आईटी स्पेस उपलब्ध है, और 5 लाख वर्गफुट का नया आईटी अवसंरचना निर्माण कार्य जारी है। राज्य में डेटा सेंटर पार्क (50 एकड़) विकसित किया जा रहा है, जिससे एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग और बड़े डेटा केंद्रों की स्थापना को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, इंदौर में क्रिस्टल आईटी पार्क 3 और 4 विकसित किए जा रहे हैं, जिससे नई आईटी कंपनियों के लिए बेहतरीन अवसर खुलेंगे। एलटीआई माइंड ट्री इंदौर में रुपये 800 करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) रक्षा अनुसंधान एवं विकास के लिए उभरती तकनीकों का एक केंद्र स्थापित कर रहा है। राज्य की आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश प्रोत्साहन नीति 2023 निवेशकों को विभिन्न प्रकार की रियायतें और सुविधाएं प्रदान करती है। आईटी और आईटीईएस कंपनियों को 30 करोड़ रुपये तक की पूंजीगत सहायता, ईएसडीएम सेक्टर के लिए रुपये 150 करोड़ रुपये तक की प्रोत्साहन राशि और डेटा सेंटर निवेशकों को 125 करोड़ रुपये तक की सहायता उपलब्ध है। भूमि शुल्क में 75 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है, जबकि स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क पूरी तरह से माफ किया गया है। राज्य सरकार द्वारा रुपये 10 करोड़ तक की मार्केटिंग सहायता और रुपये 15 करोड़ तक की रोज़गार सहायता प्रदान की जा रही है। छोटे एवं मध्यम उद्यमों को विशेष अनुदान और टैक्स छूट के अतिरिक्त बिजली शुल्क प्रतिपूर्ति रुपये 2 प्रति यूनिट तक और 100 प्रतिशत बिजली शुल्क की छूट दी जा रही है।

जीआईएस-2025 में आईटी और टेक्नोलॉजी निवेशकों को प्रदेश की व्यापक संभावनाओं से परिचित होने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। मध्यप्रदेश सरकार की निवेश-अनुकूल रणनीतियां और समर्थन इसे डिजिटल परिवर्तन के नए केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

15 साल बाद परमाणु दायित्व कानून में संशोधन को मिली स्वीकृति

विगत दिनों संसद में पेश किये गये बजट में वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने न्यूक्लियर डील के परमाणु दायित्व कानून में संशोधन करने का ऐलान कर दिया। इस संशोधन का उद्देश्य परमाणु एनर्जी क्षेत्र के विकास में सबसे बड़ी नीतिगत बाधा को दूर करते हुए देश में परमाणु एनर्जी को बढ़ावा देने के लिये प्रोत्साहित करना है। विशेषज्ञों के अनुसार परमाणु दायित्व कानून में संशोधन की बात ऐसे समय में आई है, जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा प्रस्तावित है और अमेरिका ने तीन परमाणु संस्थाओं पर से बैन हटाने का फैसला किया है। अमेरिका में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच परमाणु एनर्जी, व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी, साथ ही भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों को और मजबूत करने पर फोकस करेगा। परमाणु दायित्व कानून में संशोधन की बात से भारत-अमेरिका के बीच सिविल-न्यूक्लियर फील्ड में सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार भारत का लक्ष्य वर्ष 2047 तक कम से कम 100 गीगावॉट की परमाणु एनर्जी क्षमता हासिल करना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत में परमाणु ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने की जरूरत है। साथ ही परमाणु ऊर्जा से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि परमाणु दायित्व कानून में वर्तमान में अगर कोई दुर्घटना होती है तो निवेश करने वाली कंपनी पर लगने वाला जुर्माना बहुत अधिक होगा, जिसके कारण कंपनियां निवेश ही नहीं करती हैं। जाहिर है कि परमाणु दायित्व कानून 2010 कानून, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के संचालन से संबंधित दायित्वों और मुआवजे के मुद्दों को निर्धारित करता है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

संत रविदास जी : भक्ति, सामाजिक चेतना और आध्यात्मिक संदेश के पाठक

भारत भूमि पर अनेक संतों ने जन्म लेकर समाज को नया मार्गदर्शन दिया, किंतु कुछ संत ऐसे रहे हैं जिनकी वाणी और विचार शाश्वत सत्य की तरह अनंत काल तक प्रेरणा देते रहेंगे। ऐसे ही संतों में एक प्रमुख नाम हैं संत रविदास जी, जो केवल भक्तिपथ के अग्रणी संत ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पुरोधा और मानवीय समता के अप्रतिम प्रवक्ता थे। संत रविदास जी का जन्म माघ माह की पूर्णिमा के दिन हुआ, जिसे अब संत रविदास जयंती के रूप में श्रद्धा और उत्साह से मनाया जाता है। 15वीं शताब्दी में जन्मे संत रविदास जी भारतीय संत परंपरा में उच्च स्थान रखते हैं। उनकी वाणी में ईश्वरीय प्रेम, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक चेतना का विलक्षण संगम देखने को मिलता है। उन्होंने भक्ति के माध्यम से सामाजिक बंधनों को तोड़ने का प्रयास किया और एक समतामूलक समाज की स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संत रविदास जी का जन्म वाराणसी के एक चर्मकार परिवार में हुआ। उनके पिता संतोख दास और माता कर्मा देवी थीं। यह वह काल था जब समाज जाति-पांति और ऊंच-नीच के बंधनों में जकड़ा हुआ था। निम्न वर्ग को उचित सम्मान नहीं मिलता था। संत जी ने इस अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई और मानव मात्र की समानता का संदेश दिया। उनकी रचनाओं में भक्ति के साथ-साथ समाज सुधार की प्रेरणा भी मिलती है। वे मूर्तिपूजा से अधिक नाम-स्मरण और अंतःकरण की शुद्धता पर बल देते थे। उन्होंने कहा- 'ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न। छोट-बड़ों सब सम बसै, रविदास रहें प्रसन्न।' कई कथाओं में उल्लेख मिलता है कि संत रविदास जी ने अपने पिता के व्यवसाय में हाथ बंटाया और जूते बनाने का कार्य किया। परंतु उनका मन सदैव भक्ति में लगा रहता था।

जब समाज के प्रभावशाली लोग उनके जातिगत पेशे का उपहास करने लगे, तो उन्होंने उत्तर स्वरूप कहा- 'जाति-पांति पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई।' उन्होंने यह दिखाया कि कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। यह समाज की संकीर्ण सोच थी, न कि कार्य की महत्ता का कोई पैमाना।

उनका दर्शन समाज के लिए प्रकाशपुंज के समान है। वे मानते थे कि व्यक्ति की जाति कर्मों से बनती है, न कि जन्म से। उन्होंने कर्म प्रधानता पर बल दिया और 'सच्चे भगत' की परिभाषा दी- वह व्यक्ति जो मन, वचन और कर्म से पवित्र हो तथा समता की भावना रखे। वे संत कबीर, गुरु नानक, मीरा बाई आदि के समकालीन थे और उनके साथ आध्यात्मिक चर्चाएं करते थे। उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान 'बेगमपुरा' (अर्थात, सुखमय नगर) की संकल्पना थी- एक ऐसे समाज की कल्पना, जहां न भेदभाव हो, न अन्याय, न शोषण।

गुरु ग्रंथ साहिब में संत रविदास जी के शबद

गुरु नानक देव जी, जिन्होंने सिख धर्म की स्थापना की, उनका संदेश भी संत रविदास के समान था। गुरु नानक देव जी ने एकेश्वरवाद, समानता और सामाजिक न्याय की बातें कीं, जो रविदास जी के सिद्धांतों से मेल खाती हैं। संत रविदास जी के शबद का उल्लेख गुरु ग्रंथ साहिब में किया गया है, और ये शबद उनके जीवन और शिक्षाओं का आदान-प्रदान करते हैं। गुरु नानक देव जी की वाराणसी (काशी) यात्रा के दौरान संत रविदास जी से मुलाकात हुई थी, और गुरु नानक देव जी ने उनके भक्ति और ज्ञान के शबद को गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल किया। संत रविदास जी की उम्र उस समय 102 वर्ष थी, और वे अपने जीवन के अंतिम समय में भी भक्ति और समाज सुधार के कार्यों में सक्रिय थे। इसके बाद संत रविदास जी का नाम गुरु ग्रंथ साहिब में अमर हो गया, और उनके शबद आज भी सिख समुदाय में पूजनीय हैं।

संत रविदास जी के शबद पर दृष्टि

संत रविदास जी के शबद में जीवन के सरल और गहरे पहलुओं का वर्णन किया गया है। उनकी कविता और भजन उनकी भक्ति, समानता और भगवान के प्रति श्रद्धा को दर्शाते हैं।

"तोही मोही मोही तोही अंतर कैसा"

यह शबद संत रविदास जी की अद्वितीय भक्ति का सूचक हैं। वे कहते हैं कि भगवान और भक्त के बीच कोई अंतर नहीं है, दोनों एक हैं। इस शबद में वे यह संदेश देते हैं कि आत्मा और परमात्मा का संबंध बहुत गहरा होता है, जो भक्ति के माध्यम से स्थापित होता है।

"कनक कटिक जल तरंग जैसा"

यह शबद संसार की अस्थिरता को दर्शाता है। इसमें संत रविदास जी यह कहते हैं कि जैसे सोना, पत्थर, जल और लहरें अलग-अलग हैं लेकिन उनका अस्तित्व एक साथ है, वैसे ही आत्मा और परमात्मा का अस्तित्व भी अडिग और अभिन्न है।

मीरा बाई और संत रविदास जी की भेंट

मीरा बाई और संत रविदास जी की भेंट केवल एक संयोग नहीं, बल्कि भक्ति मार्ग की गंगा-जमुनी धारा का प्रतीक है। एक ओर संत रविदास जी का ज्ञान और समाज सुधार का संदेश था, तो दूसरी ओर मीरा बाई की अनन्य कृष्ण-भक्ति। दोनों का संबंध यह दर्शाता है कि सच्ची भक्ति किसी भी सामाजिक बंधन से परे होती है और गुरु का सान्निध्य शिष्य के जीवन में आध्यात्मिक आलोक का संचार करता है। मीरा बाई ने अपने जीवन में कई संतों से ज्ञान प्राप्त किया, लेकिन उन्हें ऐसा कोई नहीं मिला जो उनके कृष्ण-भक्ति के मार्ग को सही दिशा दे सके। कहा जाता है कि जब वे सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर पूरी तरह कृष्ण भक्ति में लीन हो गईं, तब वे संत रविदास जी के प्रसिद्ध प्रभाव से परिचित हुईं। भक्ति और समाज सुधार के क्षेत्र में संत रविदास जी का योगदान इतना व्यापक था कि उनकी ख्याति काशी से लेकर राजस्थान तक फैल चुकी थी। मीरा बाई ने उन्हें अपना गुरु माना और उनकी वाणी से प्रभावित होकर भक्ति मार्ग अपनाया।

संत रविदास जी के नाम पर मध्यप्रदेश सरकार की प्रमुख योजनाएं

संत रविदास जी भारतीय भक्ति आंदोलन के महान संत, समाज सुधारक और ईश्वर भक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने समाज में समरसता, समानता और परिश्रम के महत्व को उजागर किया। उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने संत रविदास जी के नाम पर कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य विशेष रूप से अनुसूचित जाति के युवाओं, उद्यमियों और समाज के कमजोर वर्गों को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे ये प्रयास न केवल संत रविदास जी के प्रति श्रद्धांजलि हैं, बल्कि सामाजिक समरसता और समता आधारित विकास को भी प्रोत्साहित करते हैं।

संत रविदास मंदिर (सागर जिला): 2 अगस्त, 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सागर जिले के बड़तूमा क्षेत्र में संत रविदास जी के भव्य मंदिर का शिलान्यास किया। यह मंदिर 11 एकड़ भूमि पर 100 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होगा। मंदिर की दीवारों पर संत रविदास जी के दोहे और शिक्षाएं अंकित की जाएंगी, जिससे उनकी वाणी और संदेश जन-जन तक पहुंच सके।

ग्लोबल स्किल पार्क का नामकरण: 6 फरवरी, 2022 को संत रविदास जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार ने भोपाल में स्थापित होने वाले ग्लोबल स्किल पार्क का नाम संत रविदास जी महाराज के नाम पर रखने का निर्णय लिया गया। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को विभिन्न कौशलों में प्रशिक्षण प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाना है। इन पहलों के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार संत रविदास जी की शिक्षाओं और उनके सामाजिक समरसता के संदेश को आगे बढ़ा रही है।

रविदास जयंती उत्सव: मध्यप्रदेश में संत रविदास जी की जयंती पर भव्य कार्यक्रम होते हैं, जहां उनके शबद और शिक्षाओं का प्रचार किया जाता है।

संत रविदास स्व-रोज़गार योजना: यह योजना अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को स्वरोज़गार स्थापित करने के लिए कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराती है। इसके अंतर्गत -

- उद्योग हेतु 1 से 50 लाख रुपये तक की सहायता राशि दी जाती है।
- सेवा एवं खुदरा व्यवसाय के लिए 1 से 25 लाख रुपये तक की राशि उपलब्ध है।
- 7 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जाता है।

निष्कर्ष

आज जब समाज अनेक विघटनकारी विचारों से जूझ रहा है, तब संत रविदास जी का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। वे केवल भक्ति तक सीमित नहीं रहे, बल्कि सामाजिक सुधार के लिए भी कार्यरत रहे। उनके संदेशों में 'समरसता' की भावना थी, जिसे अपनाकर समाज को अधिक सशक्त और समतामूलक बनाया जा सकता है। संत रविदास जी केवल भक्ति के प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत भी थे। उनकी शिक्षाएं आज भी मानवता के लिए एक अमूल्य धरोहर हैं।

निशांत शर्मा

(लेखक स्तम्भकार हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान) परीक्षा - 2022

चयन - सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

पदनाम - सहायक प्राध्यापक, गृह विज्ञान

क्रमांक/15261/58/2024/चयन **इन्दौर, दिनांक : 31.01.2025**

आयोग के विज्ञापन **क्रमांक 30/2022 दिनांक 30.12.2022** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग** के अंतर्गत विज्ञापित पद **सहायक प्राध्यापक, गृह विज्ञान** के **कुल 42** पद (अनारक्षित-21, अ.जा.-07, अ.ज.जा.-09, अ.पि.वर्ग-03, ई.डब्ल्यू.एस.- 02) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-07 अ.जा.- 02, अ.ज.जा.-03, अ.पि.वर्ग- 01 ई.डब्ल्यू.एस.- 01) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, **सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान) परीक्षा- 2022 दिनांक 09.06.2024** को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम **दिनांक 19.09.2024** को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार 02.01.2025 से 09.01.2025 तक आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/30/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 30/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है, जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त शुद्धिपत्र दिनांक 10.09.2024 में उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 03 होने के कारण विभाग के पत्रानुसार इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 03 होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव, लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (गृह विज्ञान)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	21	7	9	3	2	**42**
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	7	2	3	1	1	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	150830	PRIYANKA DANGI	F	UNRF	OBC
2.	150731	SHALINI BERY	F	UNRF	UNR
3.	150444	POOJA CHATURVEDI	F	UNRF	UNR
4.	150086	REENA MALVIYA	F	UNRF	OBC
5.	150674	NEELAM DUBEY	F	UNRF	UNR
6.	150120	VARSHA SINGH RAJPOOT	F	UNRF	UNR
7.	150716	RAGINI	F	UNR	UNR
8.	150145	PRIYANKA SHARMA	F	UNR	UNR
9.	150597	SUMAN MADAN	F	UNR	UNR
10.	150389	SWATI INDURKHYA	F	UNRF	UNR
11.	150692	TARIKA SINGH	F	UNR	UNR
12.	150357	KAVITA JUNEJA	F	UNR	UNR
13.	150619	MRANALINI MISHRA	F	UNR	UNR
14.	150162	RICHA SAXENA	F	UNR	UNR
15.	150839	KARAMJEET KAUR	F	UNR	UNR
16.	150769	RASHMI GUPTA	F	UNR	UNR
17.	150227	SOUMYA SAHU	F	UNR	OBC
18.	150112	SHASHI SHUKLA	F	UNR	UNR
19.	150381	SHIVANI SINGH	F	UNR	UNR
20.	150673	DEEKSHA SAHU	F	UNR	UNR
21.	150171	NEETU AHIRWAR	F	UNR	SC
22.	150003	RUPALI ZINIWAL	F	OBCF	OBC
23.	150326	ROHINI CHOURASIYA	F	OBC	OBC
24.	150525	PALLAVI SAXENA	F	EWSF	EWS
25.	150777	MEENA GUPTA	F	EWS	EWS
26.	150114	ALKA MARSKOLE	F	STF	ST
27.	150271	VISHAKHA NAGAR	F	OBC	OBC
28.	150299	RUCHIKA DHURWEY	F	STF	ST
29.	150448	ANISHA BHARDWAJ	F	SCF	SC
30.	150261	MADHU SARASWAN	F	SCF	SC
31.	150229	SONALI NISHI	F	SC	SC
32.	150151	NAINIKA CHOUDHARY	F	SC	SC
33.	150606	POONAM GOYAL	F	SC	SC
34.	150737	MANISHA BAGHMARE	F	SC	SC
35.	150034	REKHA JAMOD	F	STF	ST
36.	150037	SURAJ VERMA	F	SC	SC
37.	150136	SONU KANESH	F	ST	ST
38.	150061	LEENA WASKALE	F	ST	ST
39.	150051	VANDANA KANOJE	F	ST	ST
40.	150028	PRIYA CHOUHAN	F	ST	ST
41.	150361	MITHLESHWARI	F	ST	ST
42.	150030	KAMINI BAGHEL	F	ST	ST

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, 101, First Floor, ATULYA IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, INDORE- 452007 (M.P.)
Phone : (O) 2970611, 2971311, 2974363, Fax No. : 0731-2972629, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in
Website : www.invest.mp.gov.in, GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850

No. MPIDC/R.O./IND/Tech/2025/1197 **Date : 04.02.2025**

NOTICE INVITING TENDER

Tender for the following works have been proceeded on the e-procurement system– **http://www.mptenders.gov.in** as mention below-

S. No.	Name of work	PAC [Rs. in Lacs]	Cost of tender form	EMD
1	Supply of Effluent from Industrial area Rangwasa Indore to CETP confectionary cluster, Rangwasa, Indore with the help of Sewage Suction Tanker.	Rs. 46.17 lacs	Rs. 5900/- i/c GST	Rs. 46170/-
2	Procurement of Ferric Alum and Stable Bleaching powder at Industrial area Nimrani distt. Khargone & Rehta Khadkod distt. Burhanpur. (for 1 year)	Rs. 6.40 lacs	Rs. 2360 i/c GST	Rs. 12800/-

The Detailed NIT and tender documents can be viewed and purchased after publication in newspaper within 7 working days from website – **http://www.mptenders.gov.in**

M.P. Madhyam/118642/2025 R-50557/2025 **EXECUTIVE ENGINEER**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
Regional Office, Indore, 101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-452001 (M.P.) Ph. : (O) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax : 0731-2972629, CIN : U51102MP1977SGC001392
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
Website : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in

No. MPIDC/ROIND/TECH/24-25/1245 **Date : 04.02.2025**

NOTICE INVITING TENDER

Online bids for the following work are invited from Contractors and Firms of Repute fulfilling registration and eligibility criteria. Tender for the following work has been processed on the e-procurement system **http://mptenders.gov.in** :

Name of Work	Cost of Tender Form (Non-Refundable) (in Rs.)	Earnest Money Deposit (EMD in Rs.)	Time Period (i/c rainy season)	Last Date of Bid Sub-mission
A. Selection of out sourcing agency for providing Manpower required at DC, SEZ Office & MPIDC, RO Indore.	17,700/-	4,13,472/-	12 Months	28.02.2025
B. Selection of out sourcing agency for vehicles for DC office, SEZ, Indore & Pithampur.	11,800/-	41,500/-	12 Months	28.02.2025
C. Selection of out sourcing agency for vehicles for MPIDC RO, Indore.	14,750/-	1,29,000/-	12 Months	28.02.2025

The Corrigendum, if any shall not be published in the newspaper, it will be uploaded on the e-procurement system.

M.P. Madhyam/118677/2025 R-50560/2025 **EXECUTIVE ENGINEER**

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	150562	ANJALI KUMARI	F	UNR
2.	151070	SHIKHA TRIPATHI	F	UNR
3.	150486	PRIYANKA	F	UNR
4.	150027	RENU SINGH	F	UNR
5.	150065	SEEMA KALRA	F	UNR
6.	150705	MAHIMA SHRIVASTAVA	F	UNR
7.	150350	KAMAR ANJUM	F	EWS
8.	150095	SOUMYA VYAS	F	EWS
9.	150178	MAYURI VERMA	F	OBC
10.	150278	KALPNA KUMARI BAIS	F	OBC
11.	150132	MAYURI YASHODHRA	F	OBC
12.	150047	RANJEETA PRAJAPATI	F	SC
13.	150465	PRITILATA SOLANKI	F	SC
14.	150722	SHARDA AHIRWAR	F	SC
15.	150987	ADITI THAKUR	F	SC
16.	150106	ANITA MANDLOI	F	ST
17.	150062	BABITA BAGHEL	F	ST
18.	150115	NIRMALA VERMA	F	ST
19.	150126	ROSHANI DAWAR	F	ST

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है। 4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. घोषित चयन परिणाम में ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग के अभ्यर्थियों के चयन की अभ्यर्थिता विज्ञापन में वर्णित परिशिष्ट -1 में उल्लेखित याचिका क्रमांक 2108 / 2022 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगी।

जी-22671/50548/2025 **सचिव**

कार्यालय, प्रधानाचार्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
पं. खुशीलाल शर्मा, शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान
साइन्स हिल्स, मैनिट के पीछे, भोपाल
E-mail : principal@klsgaci.nic.in, Web. : http://klsgaci.edu.in
Office Phone : 0755-2970310, Hospital Phone: 0755-2970319
क्रमांक/छात्रकक्ष/2025/288 भोपाल, दिनांक : 05.02.2025

विज्ञप्ति

पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में सत्र 2023-24 में प्रवेश
डिप्लोमा इन फार्मेसी (आयुर्वेद) 02 वर्षीय एवं पंचकर्म टेक्निशियन 01 वर्षीय

पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान भोपाल में सत्र 2023-24 के लिये निम्नानुसार पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटो में प्रवेश हेतु अंतिम चरण की प्रवेश काउंसिलिंग दिनांक 13 एवं 14 फरवरी 2025 तक महाविद्यालय में कार्यालयीन समय में आयोजित की जायेगी। पाठ्यक्रमो में रिक्त सीटो की स्थिति निम्नानुसार है :-

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	उपलब्ध सीट	प्रवेश हेतु शैक्षणिक अर्हता
01	डिप्लोमा इन फार्मेसी (आयुर्वेद)	02 वर्षीय	45	10+2 (भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान) अथवा समकक्ष
02	पंचकर्म टैक्नीशियन "सर्टिफिकेट कोर्स"	01 वर्षीय	40	10+2 बारहवी किसी भी (संकाय) विषय से उत्तीर्ण अथवा समकक्ष

- आवेदन पत्र का प्रारूप, नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी एवं निर्धारित शुल्क संस्थान की वेबसाइट **www.klsgaci.edu.in** से डाउनलोड किया जा सकता है। यदि आवेदन पत्र संस्थान से प्राप्त करना चाहें तो हस्ते प्राप्त करने हेतु अनारक्षित वर्ग के आवेदन के लिये राशि रु. 200/- मात्र तथा आरक्षित वर्ग के आवेदन के लिये राशि रु. 100/- का बैंक ड्राफ्ट जो कि **"प्रधानाचार्य, पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान, भोपाल"** के नाम से देय हो या संस्थान में निर्धारित प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश की प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। प्रवेश में भाग लेने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

म.प्र. माध्यम/118679/2025 **प्रधानाचार्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी**

R-50561/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 329/MTN/2025

No./1618/22/D-12/NIT-Maint./2025 Bhopal, Dated : 03.02.2025

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. **Table No. 1 :- Name of Work –** REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Raisen	1	1957422.00

2. **Table No. 2 :- Name of Work –** REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 15 YEAR)

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Raisen	2	3314667.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **04.02.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **19.02.2025 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/118621/2025 R-50552/2025 **(Tender)**

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग करें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Bhopal, (M.P.)

NOTICE INVITING TENDER No. 331/MTN/2025 (BW)

No./1627/22/D-12/NIT-Maint./2025 Bhopal, Dated : 03.02.2025

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

Name of work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

• **Table-1: Name of Work –** Within 05 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Burhanpur	1	1876000.00

• **Table-2: Name of Work –** Post 10 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Balaghat	1	4597000.00
2	Harda	1	4121000.00

• **Table-3: Name of Work –** Post 15 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Balaghat	1	3376000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **04.02.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **19.02.2025 (17:00 hrs.)**.
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/118634/2025 R-50554/2025 **(Tender)**

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग करें।

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, ए-2/2, एम.आय.जी., महानंदा नगर, उज्जैन (म.प्र.), Email : mpphcl_ujjain@yahoo.in
मोबा. : 9406808103
क्र. 198/पय/मप्रपुआअविनि/25/ उज्जैन, दिनांक : 03.02.2025

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 25/2024-25

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक-25/2024-25 दिनांक 03.02.2025 के अंतर्गत निर्माण कार्य शासकीय माधव संगीत महाविद्यालय उज्जैन हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2025_MPPHC_400510 आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 19.02.2025 17.00 बजे तक** प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/118638/2025 **परियोजना यंत्री**

R-50556/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री
भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-02 भोपाल
Mobile No. : 9425601534, ईमेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र. मप्रपुआअविनि/91/पयं/भोपाल-02/तशा/2025 भोपाल, दिनांक : 03.02.25

प्रेस विज्ञप्ति

"बहुमंजिला (G+5) 336 आरक्षक आवास गृह पुलिस रेडियो कॉलोनी भोपाल, जिला-भोपाल (म.प्र.) के निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक-19/2024-25 ऑनलाइन निविदा क्रमांक-**MPPHCL/TENDER No.-2025_MPPHC_400451_1)** आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 28.02.2025 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते है, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/118659/2025 **परियोजना यंत्री**

R-50558/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

NOTICE INVITING TENDER No. 330/MTN/2025 (BW)

No./1621/22/D-12/NIT-Maint./2025 Bhopal, Dated : 03.02.2025

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. **Name of Work :** Within 5 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Burhanpur	1	5030000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **04.02.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **19.02.2025 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/118622/2025 R-50553/2025 **(Tender)**

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग करें।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

पदनाम औषधि विश्लेषक
चयन सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

क्रमांक 15783/05/2023 /चयन **इन्दौर, दिनांक : 05.02.2025**

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 15/2022 दिनांक 30.12.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग** के अंतर्गत विज्ञापित पद **औषधि विश्लेषक** के **कुल 07** पद (अनारक्षित-03, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-02. ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) इनमें से महिलाओं हेतु (आरक्षित पद अनारक्षित-01 एवं अ.पि.वर्ग-01) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **दिनांक 20.01.2025** को आयोजित किए गए।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 02 होने के कारण इस पद हेतु 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, चयन परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत में सम्मिलित अभ्यर्थियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

औषधि विश्लेषक (म.प्र. शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग)
पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	3	1	1	1	0	6
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	0	0	1	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	16503	SWARAJ PATIL	M	UNR	UNR
2.	16527	VIVEK TIWARI	M	UNR	UNR
3.	16542	SAURABH GUPTA	M	UNR.	UNR
4.	16554	VINEETA PATEL	F	OBCF	OBC
5.	16571	SHASHI KANT DOHARE	M	SC	SC

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	16534	KULDEEP JAIN	M	UNR
2.	16516	SHIKHAR PATWA	M	UNR
3.	16530	DHANI RAM PATEL	M	UNR
4.	16565	RANI NAMDEV	F	OBC
5.	16569	SOURABH MALVIYA	M	SC

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है। 2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है। 3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। 4. कुल विज्ञापित 06 पदों में से अ.ज.जा. वर्ग हेतु आरक्षित 01 पद के लिए योग्य आवेदक उपलब्ध नहीं होने के कारण यह पद रिक्त रहा है। 5. घोषित चयन परिणाम माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक एस.एल.पी. 12398/ 2023 एवं एस. एल.पी. 8764/2023 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

जी-22691/50550/2025 **सचिव**

SRI SATHYA SAI COLLEGE FOR WOMEN -BHOPAL
(Autonomous College)
NAAC' A+ ' Grade
(Affiliated to Barkatullah University)

Applications are invited only from FEMALE CANDIDATES for the posts of
1. Principal : Law (One)
2. Assistant Professors :
   i) English : Two (ii) Sociology : One (iii) Economics : One
   iv) Psychology: One v) Music: One vi) Physics: One
   vii) Biotechnology: One viii) Law: Three
   ix) B.Ed. Three (English/ Maths/Sociology/ Psychology)

These posts are covered under Barkatullah University Norms (College Code 28), Bar Council of India Rules & NCTE. (Preference will be given to candidate with B. Ed)

3. Office Staff : I) Head Clerk - One ii) IT Professional- One
4. Librarian : One
5. Hostel Asst. Warden : One

These posts are management paid posts. Application should be made on plain paper, enclosing complete bio-data with copies of testimonials, recent passport size photograph and copy of Aadhar Card.

Applications as above from the interested candidates should reach the college office on or before **20.02.2025** and addressed to the Principal, Sri Sathya Sai College for Women, Kasturba Hospital Road, Habibganj, Bhopal-462024. Phone No. 0755-2451119

E-mail : ssswcbhopal@yahoo.co.in

R-50551/2025 **PRINCIPAL/DIRECTOR**

M.P. POORV KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
Block No. 7, Shakti Bhawan, Rampur, Jabalpur (M.P.)
Tel No. : CTI 0761-2970571, Fax No. : 0761-2660048
CIN : U40109MP2002SGC015120, E-mail Id : mpez.training@gmail.com

1912

अप्रेंटिस एक्ट 1961 के अन्तर्गत आई.टी.आई. ट्रेड अप्रेंटिस (एक वर्षीय) के आवेदन हेतु विज्ञापन

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर जो मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मंडल की एक उत्तरवर्ती कंपनी है, के द्वारा म.प्र. के मूल निवासी अभ्यर्थियों के लिये जिन्होंने दसवीं कक्षा के साथ आई.टी.आई. (एन.सी.वी.टी./एस.सी.वी.टी.) उत्तीर्ण की हो, से अप्रेन्टिस एक्ट 1961 के अंतर्गत कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कोपा), इलेक्ट्रीशियन, स्टेनोग्राफर (हिन्दी) में शिक्षुता प्रशिक्षण (एक वर्षीय) हेतु आवेदन आमंत्रित करती है। आई.टी.आई. ट्रेड अप्रेंटिस (एक वर्षीय) हेतु वर्तमान में कुल रिक्तियां 175 हैं, जिनका ट्रेड वार विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	ट्रेड	सामान्य	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	कुल
1.	कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट	21	9	12	16	58
2.	इलेक्ट्रीशियन	38	16	21	28	103
3.	स्टेनोग्राफर (हिन्दी)	5	2	3	4	14
	कुल	64	24	30	40	175

नोट :- विस्तृत विवरण कंपनी की वेबसाइट **www.mpez.co.in** पर देख सकते हैं।

अर-50571/2025 **अति. मुख्य महाप्रबंधक (प्रशिक्षण)**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 15786/05/2023/चयन **इन्दौर, दिनांक : 05.02.2025**

पदनाम - खाद्य विश्लेषक
चयन सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

आयोग के विज्ञापन क्रमांक **15/2022 दिनांक 30.12.2022** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग** के अंतर्गत विज्ञापित पद खाद्य विश्लेषक के **कुल 04 पद** (अनारक्षित-02, अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग -01, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) इनमें से महिलाओं हेतु (आरक्षित पद अनारक्षित-01) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **दिनांक 20.01.2025 को** आयोजित किए गए।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 01 होने के कारण इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता विभाग द्वारा नहीं दर्शाई गई है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 01 होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

खाद्य विश्लेषक (म.प्र. शासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	2	0	1	1	0	4
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	0	0	0	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	16631	KUMAR MANORANJAN	M	UNR	UNR
2.	16611	DEEPIKA GARG	F	UNRF	UNR

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		श्रेणी
1.	16583	ARCHANA GAUTAM	F		UNR
2.	16636	UMESH KUMAR	M	प्रावधिक	UNR

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
4. कुल विज्ञापित 04 पदों में से अ.ज.जा.- वर्ग हेतु आरक्षित-01 एवं अ.पि.वर्ग हेतु आरक्षित-01 पद के लिए योग्य आवेदक उपलब्ध नहीं होने के कारण यह पद रिक्त रहे हैं।
5. घोषित चयन परिणाम माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक एस.एल.पी. 12398/ 2023 एवं एस.एल.पी. 8764/2023 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

जी-22767/50566/2025 **सचिव**

Computer Proficiency Certification Test
Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation Limited
Exam Registration Opens

MPSEDC/CPCT/Exam/2025/

"म.प्र. शासन द्वारा सरकारी रोज़गार हेतु आवश्यक CPCT स्कोर कार्ड"

राज्य शासन के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में विभिन्न पदों पर कम्प्यूटर दक्षता/कौशल प्रमाणीकरण हेतु **संविदा/नियमित नियुक्तियों** के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार (CPCT पोर्टल पर उपलब्ध) सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर क्षेत्र में कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (CPCT) का स्कोर कार्ड प्राप्त करना अनिवार्य है।

परीक्षा तिथि : 15 एवं 16 मार्च 2025 **पंजीयन तिथि : 10 फरवरी 2025 से 24 फरवरी 2025 तक**

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि : 26 फरवरी 2025 से 28 फरवरी 2025

- CPCT परीक्षा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, सतना में आयोजित की जाएगी।
- CPCT नियम पुस्तिका में आवेदन फॉर्म में सुधार हेतु नियम उपलब्ध कराए गए हैं।
- CPCT नियम पुस्तिका में निशक्तजनों से संबंधित नियम उपलब्ध कराये गए हैं तथा लेखक की सुविधा हेतु आवेदन का प्रारूप CPCT पोर्टल पर उपलब्ध है।
- CPCT परीक्षा सम्बन्धी समस्त जानकारी/विवरण एवं नियम पुस्तिका तथा आगामी परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर CPCT पोर्टल (**www.cpct.mp.gov.in**) पर उपलब्ध है।
- मूल (Original) फोटोयुक्त पहचान पत्र लाने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।
- अभ्यर्थी को दोनों अनुभाग (कम्प्यूटर एवं टाइपिंग) में सम्मिलित होना अनिवार्य है।

परीक्षा एवं पंजीयन की सुविधा अँग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषा में उपलब्ध होगी। आवेदकों को परीक्षा के लिए **आवेदन ऑनलाइन ही भरने होंगे।** आवेदक अपना पंजीयन MP-Online के Kiosks से भी कर सकते हैं।

मुख्य महाप्रबंधक
मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (MPSeDC)
स्टेट आई टी सेंटर, 47-A, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011

Note : MPSeDC द्वारा प्रदेश में किसी भी संस्था को CPCT प्रशिक्षण हेतु अधिकृत नहीं किया गया है।

म.प्र. माध्यम/118710/2025

R-50567/2025

म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण
(म.प्र. शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विभाग के अधीन)
तृतीय तल, विकास भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल

विज्ञप्ति क्र. : 1706 **दिनांक : 04.02.2025**

विज्ञप्ति

प्राधिकरण मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों/परियोजना क्रियान्वयन इकाइयों में सहायक प्रबंधक के 45 रिक्त पदों की पूर्ति हेतु अर्हताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। पूर्णतः भरे हुये आवेदन पत्र जमा करने की **अन्तिम दिनांक 25.02.2025 है।** इस सम्बन्ध में विस्तृत विज्ञप्ति विभागीय बेवसाइट **mprrda.org/default.html** पर उपलब्ध है। प्राधिकरण द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति को एवं चयन की समस्त प्रक्रिया को किसी भी समय बिना कोई कारण बताये निरस्त किया जा सकेगा।

म.प्र. माध्यम/118661/2025 **मुख्य महाप्रबंधक (प्रशासन)**

R-50559/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02, फ्लैट क्र. 303 एवं 304 थर्ड फ्लोर, साक्षी ग्रीन बिल्डिंग, हरदौल गार्डन के फ्रन्ट पर, सचिन तेन्दुलकर मार्ग, ग्वालियर पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना-04/2024-25

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र.-2 द्वारा निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 04/2024-25 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. MPPHC_401452_1, MPPHC_401453_1, MPPHC_401454_1, एवं MPPHC_401455_1 है। निविदा प्रपत्र दिनांक 17.02.2025 तक खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

R-50569/2025 म.प्र. माध्यम/118716/2025

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पूर्व प्रयासों से जापान यात्रा बनी सफल - मुख्यमंत्री

भोपाल, आने वाले समय में आर्थिक क्षेत्र में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की महत्वपूर्ण आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री के कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व, दस वर्ष पहले भारत विश्व में अर्थव्यवस्था की दृष्टि से 11वें नंबर पर था। अब भारत विश्व में 5वीं बड़ी आर्थिक शक्ति है और इससे आगे बढ़ने का भारत का प्रयास है। राष्ट्र के इन प्रयासों में मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण योगदान देगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने जापान के साथ आर्थिक संबंधों को सशक्त बनाने पर ध्यान दिया। इन प्रयासों का लाभ हमारे देश को प्राप्त हो रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सफल जापान यात्रा से स्वदेश आगमन पर भोपाल विमान तल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने हाल ही में संपन्न अपनी जापान यात्रा के संदर्भ में कहा कि प्रधानमंत्री के पूर्व वर्षों के प्रयासों से मध्यप्रदेश को काफी महत्व मिला। जापान यात्रा के दौरान भी हमें काफी महत्व मिला। अनेक महत्वपूर्ण और बड़ी जापानी कंपनियों ने मध्यप्रदेश में निवेश में रुचि दिखाई है। डॉ. यादव ने कहा कि वे भोपाल में 24 और 25 फरवरी को हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आमंत्रण देने जापान गए थे। उन्हें निवेश प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं, जो मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को बदलने का कार्य करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बौद्ध धर्म और सम्राट अशोक के कारण जापान भारत के नजदीक अनुभव करता है। जापान के नागरिक कर्म में विश्वास रखते हुए आर्थिक प्रगति के हिमायती हैं। जापान के ऐसे आदर्श को हम मध्यप्रदेश में भी अपनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि जापान का भारत से गहरा संबंध है।

जापान और हमारी संस्कृति दोनों में आपस में सह-संबंध है। जापान के नागरिक कार्य निष्ठा, ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ काम करते हैं। जापान के लोग विनम्रता के साथ झुककर नमस्कार करते हैं। वहां रिटायरमेंट की कोई सीमा नहीं होती। जब तक शरीर चले तब तक काम चलता रहेगा। मध्यप्रदेश के विकास के लिए जापान से हमारे रिश्ते अच्छे होना चाहिए। स्वाभाविक रूप से जापान के सहायोग से मध्यप्रदेश में विकास की बहुत संभावनाएं हैं, जिससे मध्यप्रदेश देश का नम्बर वन राज्य बन सकता है।

महाकुंभ यात्रियों के लिए रीवा-प्रयागराज मार्ग में की गयी समुचित व्यवस्थायें

रीवा, प्रयागराज में महाकुंभ मेला लगातार जारी है। महाकुंभ में तीन फरवरी बसंत पंचमी को विशेष पर्व स्नान को देखते हुए रीवा से होकर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिये जिला प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई। इसी तरह माघ पूर्णिमा 12 फरवरी एवं महाशिवरात्रि 26 फरवरी को भी विशेष पर्व स्नान होंगे। इन दिनों भी लगाये गये शिविरों में विशेष व्यवस्था रहेगी।

रीवा कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर रीवा-प्रयागराज मार्ग में 4 स्थानों पर अधिकारियों के दल तैनात करके तीर्थयात्रियों के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करायी जा रही हैं। तीर्थ यात्रियों के अस्थायी रूप से ठहरने, भोजन, पानी, जलपान, शौचालय, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक तैयारियां रखी गयी हैं।

भारतीय ज्ञान परम्परा के आयामों पर शोध में शासन के साथ समाज का योगदान आवश्यक है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दत्तोपंत ठेंगड़ी संस्थान के भूमिपूजन कार्यक्रम में श्रोताओं को संबोधित किया

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के नवीन परिसर भवन के भूमिपूजन और कार्य आरंभ के अवसर पर श्रोताओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषि स्वरूप व्यक्तित्व के श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी ने दीपक के समान स्वयं जलकर विचारों का प्रकाश समाज को प्रदान किया। कृषि, श्रमिकों की स्थिति और स्वदेशी के क्षेत्र में उनका विचार उज्ज्वल नक्षत्र के समान हैं, जो समाज को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे। विद्यार्थी परिषद के संस्थापक सदस्य के रूप में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। वे हिंदुत्व को राष्ट्रीयता से आगे विश्व बंधुत्व के रूप में देखते थे। उनका मानना था कि चराचर जगत में हिंदुत्व के विचार का विस्तार मनुष्य, समाज, राष्ट्र और मानवता तक है। वर्तमान समय में उनके विचार अधिक समसामयिक हो जाते हैं, सम्पूर्ण विश्व विभिन्न समस्याओं में मार्गदर्शन और उनके समाधान के लिए भारत की ओर आशा की दृष्टि से देख रहा है। भारत अपनी यह भूमिका प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा के आधार पर ही निभा सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न आयामों पर शोध की आवश्यकता अधिक बढ़ जाती है, शोध के क्षेत्र में शासन के साथ-साथ समाज को भी योगदान देना होगा।

- **सम्पूर्ण विश्व विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए भारत की ओर आशा की दृष्टि से देख रहा है।**
- **भारत, वैश्विक भूमिका का निर्वहन प्राचीन ज्ञान परम्परा के आधार पर ही करेगा।**
- **शिक्षा, संस्कृति और शोध को भारत केन्द्रित बनाना जरूरी।**

सामर्थ्य का उपयोग समाज हित में करना जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भारत में विद्यमान गुरुकुल और विश्वविद्यालय भारतीय समाज के ज्ञान सामर्थ्य को अभिव्यक्त करते हैं। जीवन के प्रत्येक पल का उपयोग व्यक्ति समाज हित में कर पाए, यही भारतीय संस्कृति के अनुसार, जीते जी मोक्ष प्राप्ति की भावना है। भारतीय विचार, व्यक्ति को संघर्ष के स्थान पर प्रेम और बंधुत्व के लिए प्रेरित करते हैं। जनजातीय समाज सहित भारतीयता के विभिन्न पहलुओं पर समग्रता में शोध के लिए दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान जैसी पहल की अत्यधिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू नई शिक्षा नीति पुस्तकीय ज्ञान के स्थान पर व्यवहारिक अनुभूति को अधिक महत्व देती है। इसका उपयोग करते हुए मानवता के हित और लाभ सुनिश्चित करने वाले शोध की ओर अग्रसर होना होगा।

संयम के त्रिसूत्र पर चलना होगा

विचारक एवं लेखक श्री सुरेश सोनी ने कहा कि श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी जी भारतीय ऋषि प्रज्ञा की अभिव्यक्ति थे। जीवन के सभी क्षेत्रों में भारतीय दर्शन को केन्द्र में रखना उनकी विशेषता थी। व्यक्तिगत जीवन से लेकर विश्व शांति के विषय उनके विचारों की परिधि में थे। विस्मरण और सही जानकारियां न होना भारतीय अकादमिक जगत की समस्या है। मैकाले की शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जीवन मूल्यों की स्थापना और भारतीय दृष्टिकोण को विकसित करना भारतीयता को समझने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कृति और शोध को भारत केंद्रित करने की दिशा में समग्र प्रयास करने की आवश्यकता है।

वर्ष 2027 तक कचरा प्रबंधन में आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास

इंदौर, प्रदेश में नगरीय निकायों को वर्ष 2027 तक कचरा प्रबंधन में आत्मनिर्भर बनाने के लिये नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं। गीले कचरे की कंपोस्टिंग के लिये कटनी और सागर शहर में अत्याधुनिक स्वचालित इकाइयां लगाई गई हैं, जहां 16 शहरों से कचरा लाकर उसे कंपोस्ट में बदला जा रहा है। इंदौर में गीले कचरे से बायो सीएनजी तैयार करने के लिये 550 टन प्रतिदिन क्षमता की गोबरधन इकाई लगाई गई है।

एनसीसी से मिल रही चरित्र निर्माण से राष्ट्र निर्माण की शिक्षा

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने एनसीसी और एनएसएस के एट होम कार्यक्रम को संबोधित किया। राज्यपाल ने कहा कि नई पीढ़ी एनसीसी और एनएसएस का हिस्सा जरूर बनें। इससे चरित्र निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संस्कारों पर आधारित शिक्षा मिलती है। व्यक्ति में राष्ट्र सेवा के प्रति संकल्प और समर्पण की भावना पैदा होती है।

राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड में शामिल हुए एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस के स्वयं सेवकों को दिल्ली के कर्तव्य पथ पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने की बधाई दी। उन्होंने विभिन्न श्रेणियों के उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया।

राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय युवाओं के लिए सुनहरे भविष्य की असीम संभावनाओं से भरा है। जरूरत एकीकृत, एकजुट, एकमत और एकता के साथ समाज तथा राष्ट्र के लिए कार्य करने एवं देश की समकालीन संस्कृति और सभ्यता के विभिन्न पहलुओं में हो रहे, सुखद बदलावों को समझते हुए प्रेरणा प्राप्त करने की है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि एनसीसी का मूल उद्देश्य, युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण, त्याग और अनुशासन में रहते हुए एकता की भावना का विकास करना है। इसी प्रकार एनएसएस समाज सेवा से राष्ट्र निर्माण पर आधारित गतिविधियों से विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण कर जिम्मेदार नागरिक बनाने की सराहनीय योजना है। उन्होंने कहा कि युवा ही हमारे देश की गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और सभ्यता से भावी पीढ़ी को जोड़ने वाले सूत्रधार बन सकते हैं। युवाओं को संवेदनशीलता के साथ समाज के गरीब, वंचित, महिला, बुजुर्ग और दिव्यांगजनों का साहस और संबल बनकर उनके सशक्तिकरण में सहयोग करना चाहिए।

राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्रों से मध्यप्रदेश को मिलेगा लाभ - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान को सशक्त करते हुए केंद्रीय बजट 2025 में कौशल विकास और रोज़गार को केंद्र में रखा गया है। मध्यप्रदेश इस अवसर का लाभ उठाते हुए प्रदेश को 'कौशल शक्ति प्रदेश' के रूप में विकसित करने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम एक ऐसा वातावरण तैयार कर रहे हैं, जहां हर युवा को नवीनतम औद्योगिक जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण मिलेगा। इससे प्रदेश की प्रतिभा न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बनाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट-2025 में घोषित 5 राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना से मध्यप्रदेश को विशेष रूप से लाभ मिलेगा। इन केंद्रों के माध्यम से 'मेक फॉर इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड' अभियान को मजबूती मिलेगी, जिससे राज्य में प्रशिक्षकों के उन्नत प्रशिक्षण, प्रमाणन प्रणाली और उद्योग से जुड़े पाठ्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस पहल को राज्य के युवाओं के लिए ऐतिहासिक अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कौशल विकास की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश, देश की सांस्कृतिक एकता का संवाहक है - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्वोत्तर राज्यों से राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा पर आए विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश केवल भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी देश की एकता और अखंडता को दर्शाता है। उन्होंने प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र प्रेम की भावना को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को इस विविधता का सम्मान करने और भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की संस्कृति अपनी अनूठी विविधता और समृद्ध परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। यहां विभिन्न प्रांतों, वर्गों और भाषाओं के लोग सौहार्द्रपूर्वक निवास करते हैं। मध्यप्रदेश, देश के उस गौरवशाली इतिहास और संस्कृति का संवाहक है, जो देशभक्ति, राष्ट्र रक्षा और सम्मान के मूल्यों को संजोकर रखता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में पूर्वोत्तर के छात्रों का स्वागत किया

स्टूडेंट एक्सपीरियंस इन इन्टर-स्टेट लिविंग (SEIL) द्वारा सांस्कृतिक आदान-प्रदान की मंशा से आयोजित राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा-2025 पर आये पूर्वोत्तर राज्यों के छात्र दल का मध्यप्रदेश में आत्मीय स्वागत किया गया। यह यात्रा 22 जनवरी से प्रारंभ होकर 13 फरवरी तक जारी है, इसमें पूर्वोत्तर के विद्यार्थी देश के विभिन्न हिस्सों का दौरा कर रहे हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों के विद्यार्थियों का यह दल 1 से 5 फरवरी तक मध्यप्रदेश के भ्रमण पर पहुंचा है। इस छात्र दल ने मुख्यमंत्री से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों के अनुभव सुने, उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें मध्यप्रदेश की सद्भाव और समरसता से भरपूर संस्कृति से परिचित कराया।

नर्मदापुरम को भोपाल एवं इंदौर की तरह विकसित शहर बनाया जाएगा - मुख्यमंत्री

नर्मदापुरम, माँ नर्मदा की पावन भूमि पर आने के लिए देवता भी तरसते हैं। समूचा अंचल इंद्र की सभा की तरह लग रहा है। ऐसा आनंद देवलोक में ही संभव है। माँ नर्मदा का आशीर्वाद प्रदेश के साथ है। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। यहां से माँ नर्मदा एवं अन्य पवित्र नदियां निकलती हैं। मनुष्य एवं देवता भी यहां समय बिताने को अपना सौभाग्य समझते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नर्मदापुरम में नर्मदा प्रकटोत्सव और नर्मदापुरम गौरव दिवस समारोह में संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नर्मदापुरम जिले के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जायेगी। नर्मदापुरम को इंदौर-भोपाल की तरह ही शहर बनाया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में दूध की दुकानें खोली जाएंगी एवं शराब की दुकानें बंद होंगी। नर्मदापुरम जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज खोला जाएगा। उन्होंने सेठानी घाट में बनाए जल मंच से माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कन्या पूजन कर नर्मदा प्रकटोत्सव का शुभारंभ किया। आचार्य सोमेश परसाई, गोपाल प्रसाद खड्डर एवं पं. विनोद दुबे नें विधि विधान से पूजा संपन्न कराई। मुख्यमंत्री ने 104.72 करोड़ रुपये के 30 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इसमें 29.96 करोड़ के 24 कार्यों का भूमिपूजन एवं 74.76 करोड़ के 6 कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माँ नर्मदा ही एक ऐसी नदी हैं, जिनकी परिक्रमा कर लोग धन्य होते हैं। नर्मदा के जल से मालवा-निमाड़ एवं समूचे नर्मदांचल क्षेत्र के 48 लाख

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नर्मदापुरम में नर्मदा प्रकटोत्सव समारोह को संबोधित करते हुए

- **मध्यप्रदेश में दूध की दुकानें खुलेंगी, शराब की बंद होगी।**
- **मुख्यमंत्री ने 104.72 करोड़ के कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण।**
- **नर्मदापुरम में खुलेगा इंजीनियरिंग कॉलेज।**

हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि नर्मदा मैया की कृपा से समृद्धि के नये द्वार खुले हैं। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने सभी नदियों को जोड़ने का सपना देखा था। 20 साल बाद उस सपने को साकार किया जा रहा है। केन-बेतवा नदी को जोड़ने से बुंदेलखंड की तस्वीर बदलने वाली है। इस प्रोजेक्ट के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 01 लाख करोड़ की राशि स्वीकृत की है। डॉ. यादव ने नर्मदापुरम जिले में हुई रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के बारे में बताया कि इससे नर्मदापुरम संभाग में 31 हजार करोड़ रुपये का निवेश आएगा। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम के लोग पलायन न करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह औद्योगीकरण आने वाली पीढ़ी के लिए है। हमने सभी संभाग में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली बहना योजना से बहनों के जीवन में बदलाव आया है। उन्होंने 5 फरवरी को मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी वितरण किया तथा आने वाले समय में विद्यार्थियों को लैपटॉप भी दिये जाऐंगे। सनातन संस्कृति की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि भारत की संस्कृति धर्म से जुड़ी हुई है। मध्यप्रदेश सरकार भगवान श्री राम एवं भगवान श्रीकृष्ण की स्थली को तीर्थस्थल के रूप में विकसित करेगी।

नर्मदा तट पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छाई छटा

नर्मदा प्रकटोत्सव एवं नर्मदापुरम के गौरव दिवस के अवसर पर लोकप्रिय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। जिसके अंतर्गत सेठानी घाट पर मीशा शर्मा एवं उनके साथीगणों द्वारा निमाड़ी लोक गायन की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। देर रात्रि उज्जैन की कशिश शीतलानी एवं उनके साथीगणों द्वारा कथा नर्मदा की नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुति दी गई।

जनता के जीवन को आसान बनाना हमारा दायित्व - मुख्य सचिव

भोपाल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कलेक्टर, कमिश्नर, पुलिस अधीक्षक और पुलिस महानिरीक्षकों के साथ विभिन्न विषयों पर मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा पुलिस एवं प्रशासन तालमेल के साथ काम करें। दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू की तरह काम करें। उन्होंने निर्देश दिये कि अवैध गतिविधियों पर रोक लगायी जाये। कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक निष्पक्ष रहकर मिलकर काम करें। उन्होंने निर्देश दिये कि अवैध शराब बिक्री पर रोक के लिए संयुक्त टीम बनाएं। राजस्व प्रकरणों में समय-सीमा एवं ईमानदारी से काम करें। जनता के जीवन को आसान बनाना हमारा दायित्व है।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कानून व्यवस्था बनाये रखने और अपराध को रोकने के लिए, जुआ/सट्टा, अवैध शराब विक्रय, अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन, अपंजीकृत वाहनों, प्रदूषण के विरुद्ध, खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरुद्ध और बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत नियम विरुद्ध लाउडस्पीकर बजने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

मुख्य सचिव श्री जैन ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रिकॉर्ड सुधार के प्रकरणों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। राजस्व महा-अभियान में सभी निरस्त होने वाले राजस्व प्रकरणों का पुन: परीक्षण किया जाने एवं त्रुटिपूर्ण नक्शा सुधार का कैम्प लगाकर निराकरण किये जाने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव श्री जैन ने खाद की कीमत निर्धारित मूल्य से अधिक में बेचने पर विक्रेता के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिये। खाद, कीटनाशक मामले में गंभीर शिकायतों/अनियमितता होने पर जांच के बाद एफ.आई.आर. दर्ज कराने के निर्देश दिये। मंत्रालय एवं विभागाध्यक्ष कार्यालयों के बाद जिलों में भी ई-ऑफिस प्रणाली शुरू करने के निर्देश दिये गये।

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना ने पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि कानून व्यवस्था बनाने एवं अवैध शराब बिक्री रोकने के लिए गंभीरता से कार्य करें। अवैध खनिज उत्खनन पर पुलिस, राजस्व एवं खनिज विभाग मिलकर कार्यवाही करें। वाहनों में लगे अवैध हूटर एवं अवैध तरीके से प्रेस, पुलिस लिखे वाहनों पर कार्यवाही की जाये। साइबर फ्रॉड एवं सिक्योरिटी पर जनमानस को जागरूक करने का कार्य करें।

समयावधि में कार्य न करने वाली एजेंसियों पर ब्लैक लिस्ट और टर्मिनेशन की कार्रवाई हो

उज्जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने उज्जैन संभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यरत एजेंसियों के कार्यों की सतत मॉनिटरिंग कर कार्य तीव्र गति से मापदण्ड व अनुबंध की शर्तों अनुसार करवाना सुनिश्चित करें। डिफॉल्टर एजेंसियों को ब्लैक लिस्टेड करने के साथ व टर्मिनेशन की सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर यह सुनिश्चित करें कि पूर्व में प्रगतिरत रोड रिस्टोरेशन के कार्य पूर्ण न होने तक नई खुदाई के कार्य प्रारंभ न किए जाएं और प्रत्येक पखवाड़े में जल जीवन मिशन की जानकारी बैठक के माध्यम से जनप्रतिनिधियों को प्रदान करें।

अपर मुख्य सचिव ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, संभागीय व जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता के हित से जुड़े सभी कार्यों पर सभी संबंधित अधिकारी विशेष ध्यान दें।

एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड स्कीम में कृषकों को 3 प्रतिशत ब्याज की छूट

भोपाल, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड स्कीम केन्द्र सरकार द्वारा संचालित एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य देश में कृषि अवसंरचना का विकास एवं विस्तार करना है। इस योजना के माध्यम से कृषक, कृषि अवसंरचना निर्माण के लिये बैंक से प्राप्त राशि रुपये 2 करोड़ तक के ऋण पर 3 प्रतिशत ब्याज छूट का लाभ सात वर्षों के लिए ले सकते है।

इस योजना के अंतर्गत वेयरहाउस, साइलोस, कस्टम हायरिंग सेंटर, कोल्ड स्टोरेज, सॉर्टिंग व ग्रेडिंग इकाई, प्राथमिक प्र-संस्करण इकाई, एयरोफोनिक फार्मिंग, हायड्रोफोनिक फार्मिंग, वर्टिकल कार्मिंग, मशरूम फार्मिंग, स्मार्ट प्रिसीजन फार्मिंग के लिये अवसंरचना निर्माण की जा सकती है।

योजनांतर्गत मध्यप्रदेश को वर्ष 2025-26 तक 7440 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया है। जिसके विरुद्ध 7,804 करोड़ रुपये के कुल 10.860 प्रकरण स्वीकृत किए जा चुके हैं, जो कि देश के सभी राज्यों में सर्वाधिक है। इसके अतिरिक्त कुल 10.047 प्रकरणों में 5978 करोड़ रुपये का डिस्बर्समेंट किया जा चुका है जो अन्य राज्यों की अपेक्षा कहीं अधिक है।

केन्द्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश को 500 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया था जिसके विरुद्ध 1240 करोड़ रुपये के कुल 2152 प्रकरण स्वीकृत किये जा चुके हैं जो कि आवंटित लक्ष्य का 248 प्रतिशत है।

विद्यार्थी अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर करते रहें अपडेट - राज्यपाल

छतरपुर, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर के चौथे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। राज्यपाल ने समारोह में विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान की। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रकाशनों का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल ने समारोह के सारस्वत अतिथि एवं नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी को एमसीबीयू डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि से विभूषित किया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि तेजी से बदलते आज के तकनीकी युग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में निरंतर ज्ञान की खोज समय की जरूरत है। इसीलिए विद्यार्थी जीवन में नए अवसरों को प्राप्त करने और नई चुनौतियों के समाधान खोजने में अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर अपडेट करते रहें। सपने साहस और धैर्य से साकार होते हैं। जरूरत है तो बस असफलता से सीख कर, स्वयं में बदलाव करते हुए आगे बढ़ने की। उन्होंने गुरुजनों से कहा कि जीवन में सफलता के लिए कठोर अनुशासन, भरपूर आत्मविश्वास और संवेदनशील व्यक्तित्व होना जरूरी है।

श्री पटेल ने कहा कि भावी पीढ़ी की मौलिक प्रतिभा को बढ़ाते हुए, ज्ञान और संस्कार से दीक्षित कर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को राष्ट्र एवं समाज सेवा के लिए सक्षम बनाएं।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने युवाओं से कहा कि आप सब विकसित भारत के अमृत प्रसंग की सौभाग्यशाली पीढ़ी हैं, जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजनरी नेतृत्व मिला है। उनकी दूरदर्शिता का प्रतिफल, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति है, जो युवाओं को जीवन में सफलता की अनंत ऊंचाइयों को छूने और भारत को ज्ञान की महाशक्ति बनाने का अवसर प्रदान करती है।

सड़क सुरक्षा के लिए नियमित रूप से हो वाहनों की जांच

भोपाल, परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाहनों की फिटनेस चेकिंग नियमित रूप से हो। उन्होंने कहा कि परिवहन राजस्व में वृद्धि के ठोस प्रयास किये जायें। परिवहन मंत्री ने विभाग में रिक्त पदों पर नियुक्तियाँ करने और नई भर्तियों पर समय-सीमा में कार्य करने के निर्देश दिये।

मध्यप्रदेश में विकसित हो रहा है फ्यूचर रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन को मूर्त रूप दिए जाने के उद्देश्य से प्रदेश में तेज गति से कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में फ्यूचर रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है, जिससे यहां अधिक से अधिक निवेश आए, उद्योग धंधे स्थापित हों और बड़ी संख्या में रोज़गार सृजित हों। मध्यप्रदेश में रेल, सड़क और हवाई सेवाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य के आंतरिक मार्गों के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का भी विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश के शहरों में सड़क यातायात के सुधार के लिए इंदौर, भोपाल, देवास, ग्वालियर, जबलपुर और सतना में एलिवेटेड कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं। इनमें से इंदौर एलिवेटेड कॉरिडोर पर 350 करोड़, ग्वालियर में 1100 करोड़, जबलपुर में 660 करोड़ और भोपाल में 306 करोड़ रुपये की लागत आएगी। साथ ही राज्य सरकार ने 724 किलोमीटर लंबी 24 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया है, जिनकी कुल लागत 10 हजार करोड़ रुपये है। ये परियोजनाएं प्रदेश के शहरों की रोड-कनेक्टिविटी को बढ़ाएंगी, यात्रा समय को कम करेंगी और व्यापार को बढ़ावा देंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का निर्माण और उन्नयन केन्द्र सरकार से मिले 3,500 करोड़ रुपये से किया जा रहा है। विशेष रूप से उज्जैन-जावरा 4-लेन ग्रीनफील्ड हाइवे परियोजना को 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ मंजूरी दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण यातायात को सुगम करने के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य 8,565 गांवों को 19,378 किलोमीटर लंबी सड़कों के नेटवर्क से जोड़ना है।

युवाओं के लिए अनुशासन और उत्साह का स्रोत है एनसीसी

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह-2025 में शामिल राष्ट्रीय कैडेट कोर के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री निवास में संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) विद्यार्थियों को अनुशासन और उत्साह प्रदान करता है। देशभक्ति, सामर्थ्य, सहयोग, सह-अस्तित्व की भावना के साथ एनसीसी की यूनिफार्म धारण करना आत्मविश्वास की विशेष अनुभूति प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर अधिक सशक्त और समर्थ होते भारत की ओर सम्पूर्ण विश्व आशा की दृष्टि से देख रहा है।

तुलसी साहित्य और भारतीय संस्कृति का हो प्रचार-प्रसार

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तुलसी मानस प्रतिष्ठान की प्रबंधकारिणी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री ने इस प्रतिष्ठान की गतिविधियों को और अधिक विस्तारित करने का सुझाव दिया और संबंधितों को इस पर अमल करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिष्ठान से रामायण, तुलसी साहित्य और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने युवाओं और विद्वानों को जोड़ने के लिए चित्रकूट जैसे धार्मिक स्थल पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने प्रतिष्ठान की आगामी योजनाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों को इस पहल से जोड़ा जाए, जिससे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिले।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 को मंत्रिपरिषद की मंजूरी

- पांच वर्ष की अवधि में 10 लाख आवासों का किया जायेगा निर्माण।
- मंत्रिपरिषद ने दी 'मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2025' लागू करने की स्वीकृति।
- प्रदेश में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 4,400 रोज़गार होंगे सृजित।
- 'मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति 2025' को दी स्वीकृति।
- हुकुमचंद मिल की देनदारियों के निपटान एवं नवीन परियोजना क्रियान्वयन को मंजूरी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई।

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के प्रदेश में क्रियान्वयन करने की स्वीकृति दी गई। योजना अनुसार प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर, निम्न तथा मध्यम आय वर्ग के पात्र हितग्राही परिवारों को योजना के चार घटकों के माध्यम से लाभान्वित करने के लिए 5 वर्षों की योजना अवधि में 10 लाख आवासों के निर्माण में 50 हजार करोड़ रुपये व्यय होंगे। बेनिफिशियरी लेड कंस्ट्रक्शन (बी.एल.सी.) घटक अंतर्गत ईडब्ल्यूएस वर्ग के पात्र हितग्राही को स्वयं की भूमि पर आवास का निर्माण करने के लिए अनुदान प्रदान किया जायेगा।

एफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनशिप (ए.एच.पी.) घटक अंतर्गत ईडब्ल्यूएस वर्ग के पात्र हितग्राहियों को नगरीय निकायों, राज्य की अन्य निर्माण एजेंसियों तथा निजी बिल्डर और डेवलपर के द्वारा आवासों का निर्माण कर प्रदान किया जायेगा। इस घटक अंतर्गत निजी डेवलपर द्वारा क्रियान्वित व्हाइट लिस्टेड एवं ओपन मार्केट परियोजनाओं में हितग्राहियों द्वारा आवास क्रय करने के लिए रिडीमेबल हाउसिंग वाउचर (आरएचवी) प्रदान किए जाने की स्वीकृति दी गयी है।

'मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति-2025' की स्वीकृति

मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य को ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए 'मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति-2025' की स्वीकृति दी गयी है। स्वीकृति अनुसार 'मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति-2025' के लाभ मिलेंगे। आर्थिक विकास ड्रोन नीति से राज्य में निवेश आकर्षित होगा, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और राज्य की समृद्धि में वृद्धि होगी। ड्रोन उद्योग में नौकरियां सृजित होंगी, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। तकनीकी प्रगति ड्रोन प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे राज्य की तकनीकी क्षमताओं में वृद्धि होगी। कृषि सुधार ड्रोन का उपयोग सटीक कृषि, फसल निगरानी और सिंचाई प्रबंधन में किया जाएगा, जिससे कृषि उत्पादन में सुधार होगा। आपदा प्रबंधन में ड्रोन का उपयोग तेजी से प्रतिक्रिया और राहत कार्यों में मदद करेगा। मानव सुरक्षा एवं सार्वजनिक सुरक्षा ड्रोन का उपयोग निगरानी, भीड़ नियंत्रण और अपराध जांच में किया जाएगा, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा में सुधार होगा। बुनियादी ढांचों, पुलों और सड़कों के निरीक्षण में इसका इस्तेमाल होगा।

सेमी कंडक्टर नीति से होंगे सृजित रोज़गार

मंत्रिपरिषद द्वारा 'मध्यप्रदेश सेमी कंडक्टर नीति 2025' लागू किये जाने की स्वीकृति दी गयी। उत्कृष्टता केंद्रों के लिए सकारात्मक भूमिका में सहयोगी, 'स्किल इंडिया जैसी पहल और वैश्विक तकनीकी उन्नत कंपनियों के साथ साझेदारी भारतीय कार्य बल को चिप डिजाइन, निर्माण और सिस्टम एकीकरण में उन्नत कौशल तथा इस क्षेत्र में लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार सृजित कर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने राज्य को इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण केंद्र के रूप में विकसित किये जाने की आवश्यताओं के दृष्टिगत राज्य शासन द्वारा 'मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2025' जारी करने का निर्णय लिया गया है।

फैक्ट फाइल

मध्यप्रदेश सरकार का पर्यावरणीय स्थिरता के साथ आर्थिक प्रगति की दिशा में कार्य करने का है लक्ष्य

देश को क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी सेक्टर में विश्व में अग्रणी बनाने का प्रयास

मध्यप्रदेश भारत का हृदय प्रदेश है। हृदय प्रदेश होने के साथ हरी-भरी धरती, प्राकृतिक सौंदर्य, विशाल पारिस्थितिकी तंत्र तथा सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध है। मध्यप्रदेश ने विकास के कई कीर्तिमान रचे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी से हरित प्रदेश बनाने की दिशा में नवाचार किये गये हैं। वर्ष 2025 में प्रदेश सरकार का पर्यावरणीय स्थिरता के साथ आर्थिक प्रगति की दिशा में कार्य करने का लक्ष्य है। स्वच्छ और हरित मध्यप्रदेश बनाए रखने के लिए सरकार, निजी क्षेत्र और जनभागीदारी के सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। प्रदेश में प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के लिए भी लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार लक्ष्य की प्राप्ति के लिए रोडमैप तैयार कर कार्य कर रही है।

प्रभावी कचरा प्रबंधन

प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय है राज्य बीते कई वर्षों से लगातार देश के स्वच्छतम प्रदेशों में शामिल है। इंदौर देश का स्वच्छतम शहर और भोपाल देश की स्वच्छतम राजधानी है। पहले से सक्रिय कचरा-प्रबंधन प्रणाली को और प्रभावी बनाए जाने के लिए कार्य किया जा रहा है। स्थानीय निकायों में सूखा-गीला कचरा पृथक्करण के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक कचरा, चिकित्सालयों एवं लेबोरेटरीज का कचरा और सीवेज-वेस्ट के पृथक्करण एवं निष्पादन के लिये हाईटेक प्रणालियां विकसित करने की रणनीति बनाई गई है। स्मार्ट-सिटी परियोजना में सम्मिलित शहरों के साथ ही दूसरे शहरों में भी आधुनिक री-साइक्लिंग प्लांट स्थापित किए जाने की योजना है। गांवों और कस्बों में जैविक कचरे की कंपोस्टिंग की जा रही है। सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए भी आम नागरिकों को जागरूक बनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा है।

जनभागीदारी से बढ़ाएंगे हरियाली

सबसे अधिक वनावरण और वृक्षावरण के साथ प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने की दिशा में सबसे आगे हैं। प्रदेश में सरकार सामुदायिक भागीदारी के साथ बड़े पैमाने पर वनीकरण अभियान चला रही है। इसके साथ ही शहरों में ग्रीन-बेल्ट और पार्कों का विकास किया जा रहा है। विकास कार्यों के कारण वन भूमि को संभावित क्षति के दृष्टिगत उसकी सुरक्षा और पुनर्स्थापना के लिए भी योजनाबद्ध रूप से कार्य हो रहा है। किसानों को भी कृषि वानिकी के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जल प्रबंधन के प्रयास

देश में पहली बार मध्यप्रदेश में वर्ष की शुरुआत में पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक और केन-बेतवा नदी लिंक परियोजनाओं पर कार्य आरंभ किया गया है। ये परियोजनाएं प्रदेश की सिंचाई आवश्यकताओं के साथ ही नागरिकों के लिए पेयजल और उद्योगों को उनकी जरूरतों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराएंगी।

इसके साथ ही प्रदेश सरकार भू-गर्भ में संचित जल स्तर को बढ़ाने के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रेन-वाटर हार्वेस्टिंग प्रणालियों का विस्तार कर रही है, पारंपरिक स्त्रोतों कुएं, बावड़ी एवं तालाब और नदियों को पुनर्जीवित किए जाने की योजनाओं पर भी काम किया जा रहा है। खेती में पानी की बर्बादी को रोकने के लिए स्प्रिंकलर-सिस्टम और ड्रिप-इरिगेशन जैसी माइक्रो-इरिगेशन तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

जैविक खेती को बढ़ावा

प्रदेश में जैविक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे किसान रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशक के रूप में रसायनों का प्रयोग कम से कम करने के लिए प्रोत्साहित होंगे और खेतों की मिट्टी भी उर्वर बनी रहेगी। किसानों को गांवों में पर्यावरण संरक्षण और प्रिसिजन फार्मिंग संबंधी प्रशिक्षण दिये जाएंगे। बाजारों की जरूरतों के अनुरूप फसल विविधीकरण, उद्यानिकी और पशुपालन से एकीकृत खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

- शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

पॉप सिंगर बेयोंसे

एल्बम ऑफ द ईयर जीतने वाली पहली अश्वेत महिला

अमेरिका में 67वें ग्रैमी अवॉर्ड्स का आयोजन किया

गया। इस समारोह में संगीत से जुड़े कई सितारे शामिल हुए। इस साल पॉप सिंगर बेयोंसे ने नया इतिहास रचा है। उन्हें 'काउबॉय कार्टर' के लिए ग्रैमी का शीर्ष पुरस्कार एल्बम ऑफ द ईयर का अवॉर्ड दिया गया। बेयोंसे यह अवार्ड जीतने वाली पहली अश्वेत महिला है। इसके अलावा ग्रैमी में बेयोंसे के कुल नामांकन 99 हो गए है, जिससे यह ग्रैमी के इतिहास में सबसे अधिक नामांकित कलाकार बन गई है।

डीपसीक

अमेरिकी संसद में प्रतिबंध लगा

अमेरिकी संसद कांग्रेस ने चीन के एआई चैट-बॉट डीपसीक के इस्तेमाल पर बैन लगा दिया है। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक किसी भी तरह के संभावित खतरे को कम करने के लिए फोन, कम्प्यूटर और टैबलेट पर डीपसीक इंस्टॉल करने पर रोक लगायी गयी है। इस संबंध में कांग्रेस ने एक नोटिस जारी किया है। इसमें डीपसीक से जुड़े जोखिमों के बारे में भी बताया गया है।

कर्नाटक

देश का पहला राज्य जहां लागू हुआ 'राइट टू डाई'

कर्नाटक सरकार ने गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीजों को

'सम्मान के साथ मरने का अधिकार' (राइट टू डाई विथ डिगनिटी) देने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू कर दिया है। यह पॉलिसी उन लोगों पर लागू होगी, जिन्हें लाइलाज बीमारी है या जिनके अस्पताल में लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर होने के बावजूद ठीक होने की कोई संभावना नहीं है। कर्नाटक सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि कोई भी न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन, सर्जन, एनेस्थेटिस्ट या इंटेंसिविस्ट जिसे मानव अंग और ट्रांसप्लांट अधिनियम, 1994 के तहत उपयुक्त प्राधिकारी ने अनुमोदित किया है, उसे जिला स्वास्थ्य अधिकारी, ऐसी मौतों को प्रमाणित करने के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों के द्वितीयक बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित करेगा।

एंटी-वारशिप क्रूज मिसाइल

ईरान ने किया सफल परीक्षण

ईरान ने 1,000 किलोमीटर की रेंज वाली एक

नई एंटी-वॉरशिप क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया है, जो फारस की खाड़ी और ओमान सागर में अमेरिकी नौसेना के जहाजों तक पहुंच सकती है। बता दें कि यह मिसाइल गदर-380 टाइप एल है और इसमें एंटी-जैमिंग क्षमता भी है जो इसे दुश्मन की जैमिंग प्रणालियों से बचने में सक्षम बनाती है। ईरान की नौसेना के प्रमुख जनरल अली रेजा तांगसिरी ने बताया कि यह मिसाइल भूमिगत सुविधाओं से लॉन्च की जा सकती है। साथ ही इसे पांच मिनट से भी कम समय में तैयार और लॉन्च किया जा सकता है।

सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर

अंतरिक्ष में की चहलकदमी

नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनिता विलियम्स और बुच

विल्मोर ने अंतरिक्ष में चहलकदमी की। भारतीय मूल की कमांडर सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर रखरखाव कार्य करने और स्टेशन के बाहरी हिस्से को साफ करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर आए। स्पेसवॉक उद्देश्य यह पता लगाना था कि पृथ्वी से लॉन्च होने और वेंट के माध्यम से बाहर निकलने के बाद भी कोई सूक्ष्मजीव जीवित रह सकता है या नहीं। बताया जा रहा है कि विलियम्स और विल्मोर लगभग छह घंटे चहलकदमी करेंगे।

गुंजन केडिया

यूएस बैंकॉर्प की पहली सीईओ

गुंजन केडिया को यूएस बैंकॉर्प का अगला सीईओ

नियुक्त किया गया है। वह कंपनी का नेतृत्व करने वाली पहली भारतीय अमेरिकी होंगी। वह 15 अप्रैल को वार्षिक शेयरधारकों की बैठक के बाद सीईओ का पद संभालेंगी और निदेशक मंडल में भी शामिल होंगी। 54 वर्षीय केडिया एंडी सेसेरे का स्थान लेंगी, जो कार्यकारी चेयरमैन की भूमिका में होंगे। केडिया वर्ष 2016 से यूएस बैंकॉर्प से जुड़ी हैं और वित्तीय सेवा उद्योग में लगभग तीन दशक का अनुभव रखती हैं।

कैप्टन शुभांशु शुक्ला

अंतरिक्ष स्टेशन पर करेंगे योग

भारतीय वायुसेना के लड़ाकू पायलट ग्रुप कैप्टन शुभांशु

शुक्ला नासा के एक्सिओम मिशन-4 पर 14 दिन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) में रहेंगे। ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वह आइएसएस पर योग आसन करने की कोशिश करेंगे। शुक्ला को मिशन के लिए पायलट के रूप में चुना गया है। इस मिशन की कमान पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री और एक्सियम स्पेस की मानव अंतरिक्ष उड़ान निदेशक के हाथ में रहेगी।

मिचिबिकी-6 उपग्रह

जापान ने किया प्रक्षेपण

जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी ने

मिचिबिकी-6 उपग्रह ले जाने वाले अपने एच3 फ्लैगशिप रॉकेट का पांचवां प्रक्षेपण किया। रॉकेट दक्षिणी जापान के तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र में लॉन्च हुआ, जिसकी लॉन्च विंडो स्थानीय समयानुसार 17.30 से 19.30 बजे रही। ज्ञात रहे कि मिचिबिकी क्वासी जेनिथ सैटेलाइट सिस्टम एक जापानी उपग्रह नेविगेशन प्रणाली है।

डब्ल्यूएएसपी - 127बी

वैज्ञानिकों ने सुपरसोनिक जेट स्ट्रीम का पता लगाया

सौरमंडल के एक बाहरी ग्रह पर वैज्ञानिकों ने सुपरसोनिक

जेट स्ट्रीम का पता लगाया है। इसमें हवाओं की रफ्तार 33,000 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच रही है। इस ग्रह का नाम डब्ल्यूएएसपी-127बी है, जो पृथ्वी से लगभग 500 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। हवाओं की यह गति अब तक की सबसे तेज हवाओं में से एक मानी जा रही है। डब्ल्यूएएसपी-127बी एक विशाल गैसीय ग्रह है, जो बृहस्पति से थोड़ा बड़ा लेकिन कम द्रव्यमान वाला है। इसका पता 2016 में चला था, और अब वैज्ञानिकों ने इसके भूमध्य रेखा पर एक विशाल और तेज हवाओं का बैंड खोजा है, जो हमारे सौरमंडल के गैसीय ग्रहों पर देखने वाली धारियों के समान है।

ट्यूनीशिया में

आपातकाल वर्ष 2025 के अंत तक बढ़ा

ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति कैस सईद ने देशभर में लागू

आपातकाल को 2025 के अंत तक बढ़ाने की घोषणा की। सरकारी राजपत्र 'जर्नल ऑफ द रिपब्लिक ऑफ ट्यूनीशिया' में कहा गया है कि पूरे देश में आपातकाल की अवधि 31 दिसंबर, 2025 तक बढ़ायी जाएगी। ट्यूनीशियाई आपातकालीन कानून अधिकारियों को असाधारण शक्तियां प्रदान करता है, जिसमें घर में नजरबंद करना, आधिकारिक बैठकों पर प्रतिबंध लगाना कर्फ्यू लगाना, मीडिया और प्रेस की निगरानी करना, सभाओं पर रोक लगाना और न्यायपालिका की अनुमति के बिना मीडिया सेंसरशिप शामिल है।

चंद्रिका टंडन

भारतवंशी को 'त्रिवेणी' के लिए ग्रैमी अवॉर्ड

संगीत की दुनिया के सबसे बड़े अवॉर्ड ग्रैमी 2025 में

फिर भारत का डंका बजा है। भारतीय-अमेरिकी उद्यमी और संगीतकार चंद्रिका टंडन ने 67वें ग्रैमी अवार्ड्स में बाजी मारी। 71 वर्षीय टंडन ने एलबम 'त्रिवेणी' के लिए 'बेस्ट न्यू एज, एम्बिएंट या चैंट एल्बम' श्रेणी में ग्रैमी पुरस्कार अपने नाम किया। पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंद्रा नूई की बड़ी बहन चंद्रिका ने अपने सहयोगियों दक्षिण अफ्रीकी बांसुरी वादक वाउटर केलरमैन और जापानी सेलो वादक इरु मात्सुमोतो के साथ यह पुरस्कार जीता। टंडन ने कहा, वह शानदार अनुभव है।

एलन मस्क

शांति के नोबेल पुरस्कार के लिए हुए नामित

दुनिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन एलन मस्क को

2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। यूरोपीय संसद के सदस्य ब्रैंको ग्रिम्स ने नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी के समक्ष इसके लिए नामांकन किया। यूरोपीय संसद के स्लोवेनियाई सदस्य ब्रैंको ग्रिम्स ने कहा कि यह नॉमिनेशन अभिव्यक्ति की आजादी के समर्थन में मस्क के निरंतर प्रयासों और वैश्विक शांति में उनके योगदान को मान्यता देने के लिए किया गया है।

लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और रूपा

प्वाइंट निमो के पास पहुंची

भारतीय नौसेना की दो महिला अधिकारियों ने बड़ी

उपलब्धि हासिल की है। भारतीय नौसेना नौकायन पोत तारिणी पर सवार महिला कमांडरों ने दुनिया के सबसे दूर जलक्षेत्र प्वाइंट निमो को पार करके नया मील का पत्थर स्थापित किया। लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए समुद्र से पूरी दुनिया नापने के मिशन पर निकली हैं। यह मिशन नाविका सागर परिक्रमा-2 का हिस्सा है, जिसमें दोनों महिला अधिकारी प्वाइंट निमो पहुंची हैं। प्रशांत महासागर में मौजूद निमो प्वाइंट धरती पर सुनसान जलक्षेत्र के तौर पर जाना जाता है। यह जलक्षेत्र जमीन से 1,600 मील से अधिक दूर है और न्यूजीलैंड तथा अंटार्कटिका के बीच है। इस स्थान का प्रयोग उपग्रहों के कब्रिस्तान के रूप में किया जाता है। इन महिला कमांडरों की यात्रा गोवा से शुरू हुई ऑस्ट्रेलिया के फ्रेमेंटल पहुंची थी। पिछले साल 22 दिसंबर को न्यूजीलैंड के लिटलेटन बंदरगाह पहुंची थी। इसके बाद यात्रा फॉकलैंड द्वीप के पोर्ट स्टेनली पहुंचेगी। इस चरण की दूरी लगभग 5600 समुद्री मील है।

अहमद अल-शरा

सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति बने

सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद को अपदस्थ करने

वाले विद्रोही समूह तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेता अहमद अल-शरा को सीरिया का अंतरिम राष्ट्रपति घोषित किया गया है। शरा अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। सीरिया की नयी सरकार के सैन्य संचालन प्रवक्ता कर्नल अब्दुल हसी गनी ने कहा कि अहमद अल-शरा इस्लामी पूर्व विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम के नेता हैं। शरा के इसी गुट ने पिछले महीने असद को सत्ता से बेदखल करने में मुख्य भूमिका निभाई थी।

बार्ट डि वेवर

बेल्जियम के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली

बेल्जियम के नए प्रधानमंत्री बार्ट डि वेवर ने पद की शपथ

ली। प्रधानमंत्री और प्रमुख मंत्रियों ने डच और फ्रांसीसी भाषा में शपथ ली, जबकि 15 सदस्यीय मंत्रिपरिषद के कई नये सदस्य रॉयल पैलेस में हुए एक समारोह के दौरान अपनी-अपनी भाषा पर अड़े रहे। बेल्जियम में भाषा संबंधी मुद्दे पिछली शताब्दी से चले आ रहे हैं। एन-वीए पार्टी के नेता वेवर ने एलेक्जेंडर डि क्रू की जगह ली।

स्मृति शेष

जर्मनी के पूर्व राष्ट्रपति होर्स्ट कोहलर का निधन

जर्मनी के पूर्व राष्ट्रपति होर्स्ट कोहलर का निधन हो

गया है। वह 81 वर्ष के थे। जर्मनी के संघीय राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि कोहलर लंबे समय से बीमार थे। जुलाई 2004 से मई 2010 तक जर्मनी के राष्ट्रपति रहे कोहलर ने जर्मनी के सशस्त्र बलों के विदेशी अभियानों के संबंध में अपनी टिप्पणियों की आलोचना के बाद अप्रत्याशित रूप से पद से इस्तीफा दे दिया। जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंकवाल्टर स्टीनमीयर ने कोहलर की मृत्यु पर अपनी संवेदना व्यक्त की और देश के लिये कोहलर की सेवा और योगदान की सराहना की।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नवीन चावला का निधन

देश के 16वें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) रहे नवीन

चावला का निधन हो गया। वे 79 साल के थे। चावला एजीएमयूटी कैडर के 1969 बैच के आईएएस अधिकारी थे। वे 16 मई 2005 से 20 अप्रैल 2009 तक चुनाव आयुक्त और फिर 21 अप्रैल 2009 से 29 जुलाई 2010 तक देश के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे थे। उन्होंने एन. गोपालस्वामी की जगह ली थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No. : 2026/22/D-12/Brg.DPR/2025 Bhopal, Dated : 07.02.2025

DPR CONSULTANCY OF BRIDGES
(Short Time E-Procurement Notice)

Online Bids are invited from the reputed Consultants for preparation of DPR of Bridge under PMGSY-III as per details given below :-

- No. of Packages - 03
- Nodal PIU - Betul-2, Balaghat-1 & Alirajpur
- No. of Bridges - 21

Total Estimated Construction Cost (In Rs.) – Rs. 770552000.00

- Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/ Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in** from 17:30 hrs. on 11.02.2025 .
2. Last date of Submission of bid is date **03.03.2025 upto 15.00 hrs.**

Other details & Conditions may be seen in the detailed NIT and Tender Document for preparation of DPR of Bridges under PMGSY January-2020 amended up to date on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/118714/2025 R-50568/2025

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश

ईमेल : dirfood@mp.nic.in, दूरभाष क्रमांक : 0755-2551479

प्रेस विज्ञप्ति

विशेष अभियान के तहत नि:शक्तजनों के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी की भर्ती हेतु विज्ञापन

मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल के ज्ञाप क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक दिनांक 04.01.2024 के प्रावधानों अनुसार विशेष अभियान के तहत नि:शक्तजनों के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी की पूर्ति वाक-इन-इण्टरव्यू के माध्यम से की जानी है। आवेदन पत्र इस पद हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखते हुए नीचे दर्शाए गए चिह्नित प्रारूप में विज्ञापन जारी होने की तिथि से दिनांक 15.01.2025 तक चाहे गए थे। उक्त तिथि में वृद्धि की जाकर आवेदन दिए जाने की अंतिम तिथि 31.01.2025 निर्धारित की गई थी।

आवेदन पत्र प्राप्त किए जाने की प्रक्रिया को एम.पी. ऑनलाइन से प्राप्त किए जाने का निर्णय लिया गया है। एम.पी. ऑनलाइन पर आवेदन दर्शित होने की दिनांक से आवेदन किया जा सकेगा। अतः ऑनलाइन आवेदन किए जाने की **अंतिम तिथि 20.02.2025** निर्धारित की जाती है। जिन अभ्यर्थियों द्वारा आफलाइन आवेदन संचालनालय में जमा किए हैं उन्हें ऑनलाइन आवेदन किया जाना अनिवार्य होगा। वाक-इन-इण्टरव्यू की निर्धारित तिथि दिनांक 10.02.2025 को स्थगित किया जाता है। वॉक-इन-इण्टरव्यू की सूचना पृथक से संबंधितों को दी जावेगी।

संयुक्त संचालक
खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण
मध्यप्रदेश भोपाल

जी-22595/50547/2025

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 23/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2024-25 भोपाल, दिनांक : 03.02.20255

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. उज्जैन जिले में नागदा खाचरौद स्थित रतलाम रेलवे फाटक एल.सी. क्रमांक-103 पर रेलवे ओव्हर ब्रिज निर्माण का शेष निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित पुल निर्माण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2025 _PWDRB_ 400456_1	उज्जैन	पुल कार्य	प्रथम	1463.73	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. राजगढ़ जिले में लिंबोदा कुण्डालिया मार्ग में कालीसिंध नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल का शेष निर्माण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2025 _PWDRB_ 400463_1	राजगढ़	पुल कार्य	चतुर्थ	797.67	केवल ऑनलाइन
			कुल योग -	2261.40	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 25.02.2025 (17.30)** बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल

जी-22675/50549/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1 भदभदा रोड, भोपाल

क्र. : 186/तशा/प.यं./2025 दिनांक : 31.01.2025

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में मरम्मत कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है:- निविदा क्रमांक (1) 2025_MPPHC_400080_1, (2) 2025_MPPHC_400081_1, **दिनांक 10.02.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/118637/2025 R-50555/2025 **परियोजना यंत्री**

कार्यालय परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश हुरावली हिल, ग्वालियर

क्रमांक/611/स्था.ओएस/टीसी/2025 ग्वालियर, दिनांक : 6.02.2025

पुनः विज्ञापन

कार्यालय परिवहन आयुक्त, मध्यप्रदेश ग्वालियर में विशेष अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिए सहायक वर्ग-03 के शेष 03 पदों की पूर्ति वॉक इन इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है, इस हेतु विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से **15 शासकीय कार्य दिवस के** अंदर आवेदन पत्र मुख्यालय, परिवहन आयुक्त कार्यालय, हुरावली हिल्स सिरोल ग्वालियर (474006) में डाक द्वारा अथवा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्रस्तुत कराये जा सकते हैं।

विभाग की वेबसाइट **https://www.transport.mp.gov.in** से आवेदन पत्र/पदों की विस्तृत जानकारी देखी व डाउनलोड की जा सकती है। पदों का विवरण निम्नानुसार है :–

स. क्र.	पदनाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	दिव्यांगजन के लिये आरक्षित रिक्तियां		निर्धारित योग्यता
01	सहायक वर्ग-03	तृतीय श्रेणी	5200-20200 + ग्रेड पे 1900 (सातवें वेतनमान के मैट्रिक लेवल-4) समय-समय पर देय अन्य भत्ते	M D (ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहु विकलांगता)	03	01 मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्था से हायर सेकेण्डरी (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। 02 मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से न्यूनतम एक वर्षीय कम्प्यूटर डिप्लोमा/सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। 03 म.प्र. शासन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागांतर्गत कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (सीपीसीटी) हिन्दी टायपिंग के साथ उत्तीर्ण प्रमाण पत्र।

जी-22730/50564/2025 **परिवहन आयुक्त, मध्यप्रदेश**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग ओल्ड पलासिया इंदौर (म.प्र.)

ईमेल : apdpiuindore@gmail.com, फैक्स : 0731-4989768

क्र.एफ-3/सामान्य/निविदा प्रकाशन/मु.अ. (भवन) इंदौर/2025/एनआईटी-25/377 इंदौर, दिनांक : 5.02.2025

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 25/2024

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग, परिक्षेत्र इंदौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीयन ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग, म.प्र. द्वारा दिनांक 01.01.2024 से प्रभावशील एस.ओ.आर. एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि संशोधित, निर्धारित तिथि (Key-Date) अनुसार के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके क अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. लोक निर्माण विभाग (भवन) उज्जैन के अंतर्गत छूटे हुये, मरम्मत मायनर एवं परफारमेंस ग्यारंटी के तहत विभिन्न भवनों का निर्माण/उन्नयन कार्य।					
2025_PWPIU_400125_1	उज्जैन	100.00	1,00,000	12,500	12
क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. ग्राम डोबलाझीरी जिला अलीराजपुर में 100 सीटर केजीबीव्ही टाइप III छात्रावास भवन का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_399735_1	उज्जैन	143.95	1,43,950	12,500	12
क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. लोक निर्माण विभाग (भवन) नीमच के अंतर्गत छूटे हुये, मरम्मत मायनर एवं परफारमेंस ग्यारंटी के तहत विभिन्न भवनों का निर्माण/उन्नयन कार्य।					
2025_PWPIU_399897_1	मंदसौर	100.00	1,00,000	12,500	12
क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. लोक निर्माण विभाग (भवन) मंदसौर के अंतर्गत छूटे हुये, मरम्मत मायनर एवं परफारमेंस ग्यारंटी के तहत विभिन्न भवनों का निर्माण/उन्नयन कार्य।					
2025_PWPIU_399742_1	मंदसौर	100.00	1,00,000	12,500	12
क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. 100 बिस्तरीय सिविल हॉस्पीटल भवन गरोठ जिला मंदसौर का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_399904_1	मंदसौर	1925.84	9,62,920	30,000	24
क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. शासकीय नर्सिंग कॉलेज एवं 140 सीटेड छात्रावास भवन जिला मंदसौर का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_399922_1	मंदसौर	1117.00	5,58,500	30,000	18
क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन मल्हारढ़ जिला मंदसौर का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_399913_1	मंदसौर	907.31	9,07,310	20,000	18
क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. मराठी प्राथमिक विद्यालय बरोली जिला बुरहानपुर में भवन का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_400151_1	बुरहानपुर	34.89	50000/-	5,000/-	9
क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. मराठी प्राथमिक विद्यालय अदगाव जिला बुरहानपुर में भवन का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_400103_1	बुरहानपुर	41.13	50000/-	5,000	9
क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. मराठी प्राथमिक विद्यालय दापोरा जिला बुरहानपुर में भवन का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_400172_1	बुरहानपुर	34.89	50000/-	5,000/-	9

निविदा संबंधित तिथियां (Key-Date) :–

1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि :– 03.02.2025
2. बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि - 04.02.2025
3. बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 19.02.2025
4. बिड खोलने की तिथि - 21.02.2025

मुख्य अभियंता (भवन)
लो.नि.वि. परिक्षेत्र इंदौर

जी-22731/50565/2025

धर्मनगरियों में अब नशे को 'ना'

इस बार हिन्दू नववर्ष मध्यप्रदेश की धर्मनगरियों में नशे को सदा के लिए 'ना' के साथ आरंभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभिन्न धार्मिक अवसरों पर कहा है कि सरकार साधु-संतों के इस सुझाव पर गंभीरता से विचार कर रही है कि धार्मिक नगरों तथा स्थलों में पूर्णतः शराबबंदी प्रभाव में लायी जाए। मंत्रिपरिषद की बैठक में इस पर निर्णय लिया गया है और इस विचार पर अमल शुरू हो गया है।

मध्यप्रदेश के ऐसे 19 नगर और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल चिह्नित किए गए हैं जहां शराबबंदी का विचार है। वर्ष 2004 के बाद ऐसे विचार और संकल्प पूर्व के मुख्यमंत्रियों के भी रहे हैं। सरकार ने ओरछा, उज्जैन, मैहर, चित्रकूट, ओंकारेश्वर, अमरकंटक जैसे पवित्र स्थलों को शराब से मुक्त करने की बात की। लेकिन हर बार किन्तु परन्तु के साथ बात इसलिए बिगड़ती रही क्योंकि तर्क था कि इससे राजस्व की क्षति होगी और जब तक इसकी भरपाई का विकल्प नहीं बनता तब तक निर्णय पर अमल राजकोष को चोट पहुंचाने वाला होगा। डॉ. मोहन यादव के समक्ष भी अधिकारियों का यही तर्क रहा। बताते हैं कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को ही यह जिम्मेदारी दी है कि वे इस वर्ष अप्रैल तक विकल्प तलाश लें क्योंकि धार्मिक स्थलों को शराब से मुक्त कराने का उनका संकल्प अडिग है। इसलिए यह मानकर चला जा सकता है कि धर्मनगरियों में शराबबंदी तय है। डॉ. यादव ने इस संकल्प में उन नगरों को विशेषतः शामिल किया है जो नर्मदा के तट पर बसे हैं और यह श्रृंखला मंडला से लेकर मंडलेश्वर तक है। दतिया, पन्ना और मंदसौर को भी धर्मनगरियों में ही रखा गया है।

वैसे तो महात्मा गांधी हमेशा देश को नशामुक्त करने की बात करते रहे हैं। स्वतंत्रता संग्राम के समानांतर अछूतोद्धार और नशामुक्ति का आंदोलन भी उतना ही गंभीरता से चलाया। वे नशे को व्यक्ति, परिवार और समाज के नाश का मूल मानते रहे। भारत का जब संविधान बना तो उसके नीति निर्देशक तत्वों में नशामुक्ति के विचारों को जगह मिली। अनुच्छेद 47 में यह संकल्प व्यक्त किया गया कि मद्यपान को हतोत्साहित किया जाएगा और एक दिन नशामुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश की जाएगी।

संविधान की पवित्रता पर शोर मचाने वालों का लंबे समय तक राज रहा और उनके ही राज में पूरे देश में शराब बनाने वाली डिस्टलरीज के लाइसेंस बांटे गए। जब भी कभी इस तरह के अभियान चले और सरकारों पर दबाव बना तो आबकारी से मिलने वाली अरबों की आय का हवाला दिया गया। जिन राज्यों ने दृढ़ता से शराबबंदी की भी वहां जहर बेचने वाला माफिया जा पहुंचा। इतनी घटनाएं और मौतों के बाद अब वहां जन दबाव बनने लगा कि शराबबंदी हटाई जाए, यद्यपि इसे शराब माफिया का एक षडयंत्र ही समझना चाहिए। बिहार में एक नवगठित दल ने यहां तक कहा कि उनकी सरकार बनती है तो वे तत्काल शराबबंदी हटा लेंगे।

जहां तक मुझे ज्ञात है कि देश के बड़े राजनीतिक दलों की सदस्यता शर्तों में यह शामिल है कि वे शराब तथा अन्य किस्म के व्यसनों से दूर रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने यदि पहले चरण में शराबबंदी के लिए धार्मिक नगरों का चयन किया है तो यह उम्मीद बढ़ती है कि धीरे-धीरे इसका दायरा और बढ़ेगा। वैसे शायद ही कोई ऐसा धर्म हो जहां मद्यपान की मनाही न की गई हो, इसे घोर पाप न समझा गया हो। पुराणों का यह आख्यान बहुतों को नहीं पता होगा कि दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य ने सर्वप्रथम शराबबंदी की बात कही थी। कथा यह है कि देवों के गुरु बृहस्पति के पुत्र कच ने शुक्राचार्य का शिष्यत्व ग्रहण किया तो दैत्यों को नागवार लगा। साजिश के तहत दैत्यों ने कच की हत्या करके उसका शव जला दिया और उसकी भस्म को मदिरा में मिलाकर धोखे से शुक्राचार्य को पिला दिया। आचार्य को पता चला तो उनको बड़ी ग्लानि हुई। उन्होंने मदिरा को जगत की सबसे निषिद्ध वस्तु घोषित करते हुए कहा कि मदिरापान करने वाला घोर पातकी होगा और वह सदैव सभी लोकों में निंदनीय होगा। दैत्यों ने कभी भी अपने गुरु की बात नहीं मानी सो इसलिए ताकतवर होने के बावजूद देवताओं से हारते रहे, तब भी निंदनीय थे आज भी निंदनीय हैं।

मनुस्मृति के बारे में नकारात्मक बातें कहने वाले बहुतेरे मिल जाएंगे लेकिन उसमें लिखी बातों का मनन करने को कौन तैयार है?

स्मृति कार लिखते हैं-

यक्षरक्षः पिशाचान्नं
मद्यं मांसं सुरासवम्।
तद् ब्रह्मणेन नातव्यं
देवनाम श्रताहविः॥

अर्थात- मदिरा, मांस, सुरा, आसव यक्षों, राक्षसों तथा पिशाचों द्वारा सेवन किए जाने वाला पदार्थ है। अतः देवताओं का पूजन करने वाले इसका सेवन न करें।

श्रद्धालुओं का अंतिम लक्ष्य भक्ति है मदिरा से भक्ति दूर भागती है। सरकार का धार्मिक स्थलों को शराब मुक्त कराना भक्ति क्षेत्र की पावनता, पवित्रता और भाव को कायम रखने का उत्तम प्रयास है।

अघोर पंथ के बारे में यह आम धारणा है कि वे कुछ भी खाते-पीते हैं, यह सही नहीं है। भगवान राम कहते हैं - यह मिथ्या है, नशा का सेवन करने वाले औघड़ नहीं भटके हुए या ढोंगी होते हैं। बहुत सी ऐसी धारणाएं इसलिए भी बन गईं कि ढोंगी साधुओं ने अपने स्वार्थवश धर्म के मर्म की व्याख्या की और धर्म के साथ बलि (हिंसा) और अभक्ष्य को भी भक्ष्य बनाकर प्रचारित किया। अघोरेश्वर भगवान राम के विचारों का इसलिए भी प्रसार होना चाहिए क्योंकि वे धर्म के छद्म को भली-भांति पहचान चुके थे।

धर्म की रक्षा के लिए सपरिवार बलिदान की पराकाष्ठा तक पहुंचने वाले गुरु गोविंद सिंह ने पंच प्यारों को अमृतपान के पूर्व उनसे जो प्रण लिए उनमें से प्रथम था नशे के सेवन से दूर रहने का और सबसे मर्म की बात तो गुरुनानक देव कहते हैं -

भंग पोस्त अफीम मद्यं
उतर जाय परभात।
नाम खुमारी नानका
चढ़ी रहे दिन रात॥

यानी कि ये तमाम नशे सुबह होने तक उतर जायेंगे। अरे नशा ही करना है तो प्रभु के नाम का करिए उसकी खुमारी कभी नहीं उतरती।

प्रदेश की धर्मनगरियों को शराब और अन्य नशों से मुक्त करने की पहल पवित्रता और पावनता बनाए रखने के लिए अपरिहार्य है। कहते हैं कि जब दैवीय शक्तियां सनमुख होती हैं तभी समाज सुरक्षित और संरक्षित रहता है।

- जयराम शुक्ल
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

पं. खुशीलाल शर्मा, शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान

कार्यालय प्रधानाचार्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
(साइन्स हिल्स, मैनिट के पीछे, कोलार-नेहरू नगर रोड, भोपाल-462003)
दूरभाष क्र. : 0755-2970310
Website : www.klsgaci.edu.in, E-mail : principal@klsgaci.nic.in
क्रमांक/क्रय कक्ष/2025/1474 **भोपाल, दिनांक : 08.02.2025**

ई-निविदा सूचना आमंत्रण सूचना

पं.खुशीलाल शर्मा शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान भोपाल हेतु नीचे निम्नानुसार कार्य/सेवा/आपूर्ति हेतु संबंधित इच्छुक फर्मों से ई-निविदा प्रक्रिया के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक निविदाकर्ता **Mp.Tender.gov.in** पोर्टल से निविदा प्राप्त एवं प्रस्तुत कर सकते हैं, ई-निविदा प्राप्त एवं प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 05.03.2025 एवं निविदाओं को खोले जाने की दिनांक 07.03.2025 निर्धारित है। निविदाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	निविदा का विवरण
01	संस्थान के विभिन्न विभागों हेतु इलेक्ट्रॉनिक एवं फर्नीचर लिनेन एवं किचिन सामग्री की आपूर्ति हेतु ई-निविदा
02	शल्य विभाग आवश्यक यंत्र-शस्त्र उपकरणों व चिकित्सालय में किट्स कैमीकल की आपूर्ति हेतु ई-निविदा
03	संस्थान के वाटर कूलर की ए.एम.सी. की ई-निविदा
04	शोध कार्य हेतु कच्ची औषधियों की आपूर्ति की निविदा
05	मापदंडों अनुसार यंत्र, शस्त्र, उपकरणों की आपूर्ति की ई-निविदा
06	पचंकर्म विभाग में दैनिक रूप से उपयोग होने वाली सामग्री उड़द दाल आटा लठ्ठा कपड़ा आदि की आपूति की ई-निविदा
07	वर्ष 2025-26 हेतु पेंशनर योजना अंतर्गत औषधियों की आपूर्ति स्थानीय स्तर से किये जाने की ई-निविदा

नोट :-

01. निविदाओं का सम्पूर्ण विवरण संस्थान की वेबसाइट **http://www.klsgaci.edu.in** पर उपलब्ध है।
02. किसी प्रकार का आंशिक संशोधन या सूचना केवल संस्थान की वेबसाइट **http://www.klsgaci.edu.in** पर अपलोड की जावेगी।

म.प्र. माध्यम/118742/2025 **प्रधानाचार्य/मुख्य कार्यपालन अधिकारी**

R-50572/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (लोनिवि)
नघाविप्रा, ससपरि, पुनर्वास संभाग बड़वानी

E-mail : eepwdnvda123@gmail.com

निविदा सूचना क्र. 01/व.ले.लि./2024-25/ **बड़वानी, दिनांक : 25.01.2025**

निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अधीन सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी ठेकेदारों से फार्म 'अ' प्रतिशत दर पर समान प्रकृति के कार्य के अनुभव के साथ ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

कार्य का संक्षिप्त विवरण :– सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत तहसील बड़वानी जिला बड़वानी के ग्राम भामटा से चिपाखेड़ी पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य एवं स्लैब कल्वर्ट का निर्माण कार्य। (चैनेज 530 मी. से 690 मी. एवं 731 मी. से 980 मी.)

टेण्डर संख्या	अनुमा. लागत (लाख रु. में)	धरोहर राशि (लाख रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	अर्हता प्राप्त ठेकेदार की श्रेणी
2025_NVDA_399805_Pack_1	275.67	2,75,670/-	15,000/-	09 माह वर्षाकाल सहित	केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत
कार्य का संक्षिप्त विवरण :– सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत तहसील बड़वानी जिला बड़वानी के ग्राम भामटा से चिपाखेड़ी पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य एवं स्लैब कल्वर्ट का निर्माण कार्य। (चैनेज 1155 मी. से 1400 मी. एवं 1436 मी. से 1645 मी.)					
2025_NVDA_399806_Pack_1	327.00	3,27,000/-	15,000/-	09 माह वर्षाकाल सहित	--तदैव--
कार्य का संक्षिप्त विवरण :– सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत तहसील बड़वानी जिला बड़वानी के ग्राम भामटा से चिपखेड़ी पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य एवं स्लैब कल्वर्ट का निर्माण कार्य। (चैनेज 1805 मी. से 2000 मी. एवं 2021 मी. से 2194 मी.)					
2025_NVDA_399808_Pack_1	245.90	2,45,900/-	15,000/-	09 माह वर्षाकाल सहित	--तदैव--
कार्य का संक्षिप्त विवरण :– सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत तहसील बड़वानी जिला बड़वानी के ग्राम पिछोड़ी की कृषि भूमि/आबादी हेतु पहुंच मार्ग एवं स्लैब कल्वर्ट का निर्माण कार्य।					
2025_NVDA_399809_Pack_1	496.57	4,96,570/-	15,000/-	11 माह वर्षाकाल सहित	--तदैव--
कार्य का संक्षिप्त विवरण :– सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत तहसील बड़वानी जिला बड़वानी के ग्राम भीलखेड़ा की कृषि भूमि/आबादी हेतु पहुंच मार्ग मार्ग एवं स्लैब कल्वर्ट का निर्माण कार्य।					
2025_NVDA_399810_Pack_1	373.40	3,73,400/-	15,000/-	11 माह वर्षाकाल सहित	--तदैव--
कार्य का संक्षिप्त विवरण :– सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत तहसील बड़वानी जिला बड़वानी के ग्राम धनोरा, बगुद/देहदला की कृषि भूमि/आबादी हेतु पहुंच मार्ग एवं स्लैब कल्वर्ट का निर्माण कार्य।					
2025_NVDA_399811_Pack_1	362.26	3,62,260/-	15,000/-	11 माह वर्षाकाल सहित	--तदैव--
कार्य का संक्षिप्त विवरण :– सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत तहसील बड़वानी जिला बड़वानी के ग्राम बिजासन, बबुलताड़, अवल्दा, सोन्दूल एवं नन्दगांव की कृषि भूमि/आबादी हेतु पहुंच मार्ग एवं स्लैब कल्वर्ट का निर्माण कार्य।					
2025_NVDA_399812_Pack_1	408.73	4,08,730/-	15,000/-	11 माह वर्षाकाल सहित	--तदैव--
कार्य का संक्षिप्त विवरण :– सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत तहसील बड़वानी जिला बड़वानी के ग्राम कुकरा, इकलेरा एवं सनगांव की कृषि भूमि/आबादी हेतु उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कार्य, पहुंच मार्ग एवं प्रोटेक्शन वाल के निर्माण कार्य सहित।					
2025_NVDA_399813_Pack_1	870.08	8,70,080/-	20,000/-	18 माह वर्षाकाल छोड़कर	--तदैव--

नोट :–

1. ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : **दिनांक 17.02.2025 सायं 17.30 बजे तक**
2. ऑनलाइन निविदा की धरोहर राशि एवं मूल्य निविदा खोलने की तिथि : दिनांक 19.02.2025 सुबह 10.30 बजे से

उपरोक्त निविदा प्रपत्र को वेबसाइट पर केवल ऑनलाइन क्रय किया जा सकता है। ऑनलाइन पर भुगतान डेबिट/क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से किया जा सकता है। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर अवलोकन किया जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
जी-22541/50546/2025 **लो.नि.वि.न.घा.वि.प्रा.स.स.परि., पुनर्वास संभाग, बड़वानी**

सभी को मुस्कुराहट देते हुए अर्थव्यवस्था में नई जान फूँकेगा नया बजट

एक फरवरी को वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत किया गया वित्त वर्ष 2025-26 का बजट एक ऐसा ऐतिहासिक बजट है, जिसमें गरीब, युवा, महिलाएं, किसान और मध्यम वर्ग के लिए राहत के प्रभावी प्रावधानों के साथ आर्थिक सुधारों के बड़े ऐलान किए गए हैं। वित्त मंत्री नए बजट में आर्थिक बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत व्यय बढ़ाने, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता को देखते हुए घरेलू मांग में वृद्धि को बढ़ावा देने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, जलवायु के अनुकूल खेती, रोज़गार सृजित करने वाले मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर फोकस करने, रिफॉर्म, परफॉर्म एंड ट्रांसफॉर्म के मंत्रों से अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य के मद्देनजर बुनियादी रणनीतियाँ प्रस्तुत करते हुए दिखाई दी हैं। इन सबके साथ-साथ वित्त मंत्री राजकोषीय घाटे को वित्त वर्ष 2025-26 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.4 फीसदी के स्तर पर रखते हुए विकास दर को करीब 8 फीसदी से अधिक के स्तर पर पहुंचाने की रणनीति के साथ भी आगे बढ़ी हैं।

निश्चित रूप से नए बजट में वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण परमाणु ऊर्जा मिशन, जल जीवन मिशन, शहरी विकास केंद्र, कृषि उत्पादकता बढ़ाने, ग्रामीण विकास, सिंचाई तथा वेयरहाउसिंग संबंधी प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को प्रोत्साहन देते हुए इनके नए वर्गीकरण से निवेश तथा टर्न ओवर की सीमा बढ़ाने, आवास सेक्टर को प्रोत्साहन, डिजिटल क्रांति पर्यटन तथा स्वच्छ ऊर्जा के लिए अधिक आवंटन करते हुए दिखाई दी हैं। नए बजट में वित्त मंत्री युवाओं के बीच रोज़गार बढ़ाने, डिजिटल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को रोज़गार बाजार की उभरती जरूरतों के अनुरूप ढालने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने संबंधी प्रभावी प्रावधानों के साथ भी आगे बढ़ी है। नए बजट में किसान क्रेडिट कार्ड के तहत उधार की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने का भी महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि वित्त मंत्री तेज रोज़गारोन्मुखी निर्यात क्षेत्रों से निर्यात बढ़ाकर नए रोज़गार अवसरों को निर्मित करने की रणनीति पर बढ़ी हैं। नए बजट में देश को मैन्युफैक्चरिंग का नया हब बनाने के लिए बड़े ऐलान किए गए हैं। देश में टेक्सटाइल्स और लेदर इंडस्ट्री, इलेक्ट्रिक और इलेक्टॉनिक इंडस्ट्री, सी-फूड इंडस्ट्री के लिए बड़े प्रोत्साहन घोषित किए गए हैं। भारत को खिलौनों का यूनिवर्सल हब बनाने का विशेष प्रस्ताव रखा गया है। वैश्विक व्यापार की चुनौतियों के बीच भारत से निर्यात और वैश्विक व्यापार बढ़ाने के लिए वित्त मंत्री ने भारत ट्रेड नेट (बीटीएन) के रूप में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की स्थापना सुनिश्चित की है। एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन की स्थापना सुनिश्चित की है। माइक्रो स्माल इंटरप्राइजेस को लोन की सीमा 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा गया है। नए बजट में विकसित भारत के लक्ष्य के मद्देनजर डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए प्रोत्साहन के विशेष प्रावधान तथा रक्षा क्षेत्र के लिए अधिक आवंटन किया गया है। इस समय चीन, पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश से भी बाहरी सुरक्षा के खतरे बढ़े हैं, ऐसे में सुरक्षा क्षमता बढ़ाने के लिए अधिक धन का आवंटन हुआ है।

निश्चित रूप से वित्त मंत्री ने नए बजट में करदाताओं, छोटे निवेशकों और मध्यम वर्ग के लिए टैक्स में कटौती और टैक्स ढांचे को आसान बनाकर खर्चों और बचत को बढ़ाने की जोरदार कोशिश इस बजट में की हैं। वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण ने मजबूत वित्तीय मुट्ठी से आयकर के नए टैक्स रिजीम की व्यवस्थाओं के तहत करदाताओं को अभूतपूर्व राहतों से लाभांवित किया है। नई टैक्स रिजीम के तहत आयकर स्लैब में बड़ा बदलाव है, ताकि अधिक से अधिक करदाता इसे अपनाने के लिए प्रेरित हों। वित्त मंत्री ने नए बजट के तहत न्यू टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब में बदलाव और अतिरिक्त रिबेट की घोषणा की, जिसके तहत 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर कोई इनकम टैक्स नहीं देना होगा। इसके साथ ही, आय के विभिन्न स्तरों पर टैक्सपेयर्स को बड़ी बचत का मौका मिलेगा। नए बजट 2025-26 में सीनियर सिटीजन के लिए मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) की लिमिट 50,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये की गई है। नई टैक्स रिजीम के तहत वेतनभोगी वर्ग को 75,000 रुपये की (स्टैंडर्ड डिडक्शन) में छूट का लाभ बना हुआ है। इस तरह वित्त मंत्री इस बजट के माध्यम से टैक्स में कटौती और वित्तीय प्रोत्साहनों से मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने की रणनीति पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दी हैं। खास बात यह भी है कि बजट के तहत बीमा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की वर्तमान 74 फीसदी की सीमा को बढ़ाकर 100 फीसदी किया गया है। इससे कंपनियों को ज्यादा पैसा मिलेगा और ऐसे में वे अपना विस्तार करेंगी और प्रीमियम भी कम होने से करदाता और मध्यम वर्ग लाभांवित होगा।

इस बजट से सरकार लंबे समय से लंबित मध्यम वर्ग की आर्थिक वित्तीय शिकायतों का समाधान करते हुए आर्थिक वृद्धि की गति को फिर से तेज कर उपयुक्त कर राहत से एक अच्छा आर्थिक चक्र करने की डगर पर आगे बढ़ी हैं। निश्चित रूप से मध्यम वर्ग पर कर का बोझ कम करने से खपत बढ़ेगी। इससे जीएसटी संग्रह में वृद्धि होगी और कर योग्य आय वालों का आधार बढ़ेगा। साथ ही मजबूत मध्यम वर्ग भारत के ऊंचे विकास के सपने को आकार देने का आधार बनते हुए दिखाई देगा।

यद्यपि देश में कर सुधारों से आयकर के संग्रहण में आशातीत वृद्धि हुई है, लेकिन अभी आयकर के कर दायरे में इजाफा किए जाने की बड़ी संभावनाएं हैं। जहां वर्ष 2025-26 के बजट से वित्त मंत्री ने मध्यम वर्ग को आयकर राहत संबंधी उपहार सौंपा है, वहीं उन्होंने बजट में आयकर सुधारों के लिए नई व्यवस्था का ऐलान किया है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक तथा विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। स्थिति यह है कि वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 8.09 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किए। इनमें से भी 4.90 करोड़ लोगों ने शून्य कर योग्य आय की सूचना दी। सिर्फ 3.19 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आयकर का योगदान बहुत कम बना हुआ है। दुनिया की कई छोटी-छोटी अर्थव्यवस्थाओं में संग्रहित किए जाने वाले आयकर का उनकी जीडीपी में बड़ा योगदान है।

वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण के द्वारा पेश ऐतिहासिक बजट की सफलता इस बजट में बताई गई योजनाओं और बहुआयामी प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ लक्ष्य के अनुरूप राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.4 फीसदी तक सीमित करने के रणनीतिक प्रयासों पर निर्भर करेगी। हम उम्मीद करें कि वर्ष 2025-26 का बजट आर्थिक कल्याण, आर्थिक सुधारों और तेज विकास को आगे बढ़ाने वाला ऐसा अभूतपूर्व बजट होगा जो देश की धीमी पड़ी विकास दर में नई जान फूँकेगा और देश को वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाने की डगर पर आगे बढ़ाने वाला बुनियादी बजट सिद्ध होगा।

केंद्रीय बजट 2025-26 से मध्यप्रदेश के लिए बड़ी सौगात

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 2025-26 का बजट पेश करते हुए देशभर में स्वास्थ्य और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बड़े निवेश की घोषणा की है, जिसका लाभ मध्यप्रदेश को भी मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय बजट से मध्यप्रदेश को करीब 1.60 लाख करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। आगामी पांच वर्षों में मेडिकल कॉलेजों में 75,000 नई सीटें जोड़ी जाएंगी, और मध्यप्रदेश में मेडिकल शिक्षा के विस्तार के साथ आने वाले समय में नए मेडिकल कॉलेज खुलेंगे। केंद्रीय बजट के अनुसार, अगले एक साल में मध्यप्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 21 हो जाएगी। इसके तहत 12 नए मेडिकल कॉलेज खुलने से राज्य को 2,000 अतिरिक्त सीटें मिलेंगी, जिससे राज्य के मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में काफी सुधार होगा।

कैंसर सेंटर और डे केयर सेंटर की योजना- बजट में अगले तीन सालों में हर जिले में कैंसर सेंटर खोलने की योजना की घोषणा की गई है, जिससे मध्यप्रदेश को भी एक कैंसर सेंटर मिलने की संभावना है। इसके अलावा, देशभर में 200 डे केयर सेंटर खोले जाएंगे, और मध्यप्रदेश को भी इनमें से कुछ सेंटर मिल सकते हैं, जो स्वास्थ्य क्षेत्र में अहम योगदान करेंगे। राज्य को मिलने वाली केंद्रीय सहायता इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए मध्यप्रदेश को सेंट्रल रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड से 2,800 करोड़ रुपये मिलेंगे। इसके अलावा, इस वित्तीय वर्ष में मध्यप्रदेश को करीब 12,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट भी मिलेगा। केंद्रीय करों में राज्यों का हिस्सा बढ़ने से मध्यप्रदेश को एक और फायदा होगा। अगले वर्ष 2025-26 में यह राशि 1,11,661 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। यह राशि राज्य के विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं के लिए सहायक सिद्ध होगी। लाड़ली बहना योजना और विशेष केंद्रीय सहायता मध्यप्रदेश में केंद्र सरकार द्वारा विशेष सहायता मिलने से राज्य की वित्तीय स्थिति को भी मजबूती मिलेगी।

कर्ज की सुविधा और बिजली कंपनियों को सहायता

केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश को 50 साल के लिए ब्याज मुक्त ऋण पर अतिरिक्त कर्ज लेने की सुविधा भी प्रदान की है। यह कर्ज एफआरबीएम (फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी एंड बजट मैनेजमेंट) की तीन प्रतिशत की लिमिट से 0.5 प्रतिशत ज्यादा होगा। इसके साथ ही बिजली कंपनियों की स्थिति मजबूत करने के लिए राज्यों को जीएसडीपी (ग्रॉस स्टेट डोमेस्टिक प्रोडक्ट) का 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त कर्ज लेने की सुविधा दी जाएगी, जिससे राज्य बिजली क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दे सकेगा। आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना केंद्रीय बजट में सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना की घोषणा की गई है, जो मध्यप्रदेश के 8 आकांक्षी जिलों में लागू होगी। खासतौर पर किशोरी बालिकाओं के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता मिलेगी, जिससे राज्य के पोषण कार्यक्रमों को और मजबूत किया जा सकेगा। पीएम धन धान्य योजना देश के 100 जिलों में पीएम धन धान्य योजना लागू होगी और इसमें मध्यप्रदेश के कुछ जिलों को शामिल किए जाने की संभावना है। अर्बन चैलेंज फंड मध्यप्रदेश को अर्बन चैलेंज फंड से एक लाख करोड़ रुपये मिलेंगे, जो शहरीकरण और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए महत्वपूर्ण होंगे। यह फंड राज्य के शहरी क्षेत्रों की अवस्थिति में सुधार और उन्हें विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में सहायक होगा। **पीएम स्वनिधि योजना से लाभ-** मध्यप्रदेश के पंजीकृत 12 लाख स्ट्रीट वेंडरों को पीएम स्वनिधि योजना के तहत लाभ मिलेगा। यह योजना वेंडरों को व्यावसायिक कार्यों के लिए ऋण प्रदान करने का लक्ष्य रखती है, जिससे उनकी आय और जीवन स्तर में सुधार हो सकेगा। **जल जीवन मिशन का विस्तार-** मध्यप्रदेश के 36 लाख घरों में नल से जल पहुंचाने की उम्मीद अब और बढ़ गई है। केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की मियाद वर्ष 2024 से बढ़ाकर वर्ष 2028 तक कर दी है, जिससे मध्यप्रदेश को अतिरिक्त 20 हजार करोड़ रुपये मिल सकते हैं। यह धनराशि राज्य के जल आपूर्ति योजनाओं को तेजी से लागू करने में सहायक होगी।

नए एयरपोर्ट और एयर रूट्स- केंद्र सरकार ने अगले 10 सालों में 120 नए एयरपोर्ट और एयर रूट्स बनाने का लक्ष्य रखा है, और मध्यप्रदेश के कुछ प्रमुख शहरों को इस योजना में शामिल किया जा सकता है। यह राज्य में हवाई यातायात को बढ़ावा देने और पर्यटन को सशक्त बनाने में मदद करेगा। सस्ते मकान और सबको घर की योजना केंद्र सरकार की योजना के तहत 50,000 सस्ते मकान उपलब्ध कराए जाएंगे, और सभी को आवास प्रदान करने के लिए अतिरिक्त वित्तीय राशि जारी की जाएगी। इससे राज्य के गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को घर मिल सकेगा। **मध्यप्रदेश के कृषि क्षेत्र में वृद्धि-** मध्यप्रदेश दलहन और तिलहन के उत्पादन में बाकी राज्यों से आगे है। बजट में तुअर, उड़द और मसूर के उत्पादन के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की गई है, जिसका सबसे ज्यादा फायदा मध्यप्रदेश को मिलेगा।

मध्यप्रदेश के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 14745 करोड़ रुपये रेल बजट-2025-26 में मध्यप्रदेश को कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं की सौगात मिली है। इस बजट में मध्यप्रदेश के लिए 14,745 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जो मध्यप्रदेश के रेल नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रेल बजट 2025-26 के तहत मध्यप्रदेश में 31 नई रेल परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनकी कुल लंबाई 5,869 किलोमीटर है।

प्रदेश के 80 स्टेशनों पर खर्च किए जाएंगे 2,708 करोड़ रुपये

प्रदेश के 80 स्टेशनों पर 2,708 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन स्टेशनों में अकोड़िया, आमला, अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, बनापुरा, बरगवां, ब्यौहारी, बेरछा, बैतूल, भिंड, भोपाल, बिजुरी, बीना, ब्यावरा राजगढ़, छिंदवाड़ा, डबरा, दमोह, दतिया, देवास, गाडरवारा, गंजबासौदा, घोड़ाडोंगरी, गुना, ग्वालियर, हरदा, हरपालपुर, इंदौर जंक्शन, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, जुन्नारदेव, करेली, कटनी जंक्शन, कटनी मुड़वारा, कटनी साउथ शामिल हैं।

रेल बजट से मध्यप्रदेश में रोज़गार के नए अवसर भी सृजित होंगे

मध्यप्रदेश के लिए रेल बजट से न केवल रेलवे नेटवर्क का विस्तार होगा बल्कि राज्य में रोज़गार के नए अवसर भी सृजित होंगे। रेलवे के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं के विस्तार से मध्यप्रदेश के आर्थिक विकास को एक नई दिशा मिलेगी। मध्यप्रदेश के लिए यह रेल बजट राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के साथ-साथ यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए भी मील का पत्थर साबित होगा।

वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट ऐतिहासिक और क्रांतिकारी- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट 2025-26 विकसित भारत के संकल्पों की सिद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कल्याणकारी, सर्व-स्पर्शी और समावेशी बजट देश के गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के समग्र विकास के साथ स्टार्ट-अप्स, इनोवेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विभिन्न क्षेत्रों को समाहित करते हुए, अंत्योदय की भावना और नवोन्मेष की नव-दृष्टि से परिपूर्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट 2025-26 में 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय को कर मुक्त करने का निर्णय अभिनंदनीय है। बीते एक दशक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने समृद्धि के जो नए आयाम स्थापित किए हैं, उनमें देश के मध्यम वर्ग का परिश्रम और सामर्थ्य सम्मिलित है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में लिया गया यह निर्णय मध्यम वर्ग की आशाओं और आकांक्षाओं को उड़ान देने के साथ उन्हें सशक्त बनाने में निर्णायक सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देशवासियों के कल्याण और भारत को आत्मनिर्भर बनाने और मध्यम वर्ग को आयकर में राहत देने वाले क्रांतिकारी बजट के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री का प्रदेशवासियों की ओर से आभार माना।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी
(विख्यात अर्थशास्त्री)

केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ

पद का नाम - वैज्ञानिक
पदों की संख्या - 18
योग्यता - संबंधित विषय में पीएचडी की उपाधि
अंतिम तिथि - 17 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://cdri.res.in

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड

पद का नाम - स्नातकोत्तर शिक्षक
पदों की संख्या - 432
योग्यता - न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ संबंधित विषय में स्नातकोत्तर डिग्री तथा बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड.)
अंतिम तिथि - 14 फरवरी, 2025
वेब. - https://dsssb.delhi.gov.in

पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहाट

पद का नाम - कनिष्ठ आशुलिपिक, कनिष्ठ सचिवालय सहायक
पदों की संख्या - 12
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 14 फरवरी, 2025
वेबसाइट - www.neist.res.in

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - कनिष्ठ प्रबंधक (वित्त), कार्यकारी (सिविल), कार्यकारी (विद्युत), कार्यकारी (सिग्नल एवं दूरसंचार), मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)
पदों की संख्या - 642
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 16 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://dfccil.com

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल

पद का नाम - सहायक कमांडेंट (दूरसंचार)
पदों की संख्या - 48
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन या इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्स्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री।
अंतिम तिथि - 19 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://recruitment.itbpolice.nic.in

कोल इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - प्रबंधन प्रशिक्षुओं की भर्ती
पदों की संख्या - 434
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 14 फरवरी, 2025
वेब. - https://www.coalindia.in

कोयला खान भविष्य निधि संगठन

पद का नाम - सामाजिक सुरक्षा सहायक, स्टेनोग्राफर ग्रेड-III
पदों की संख्या - 115
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 15 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://cmpfo.gov.in

भारत डायनामिक्स लिमिटेड

पद का नाम - डिप्टी जनरल मैनेजर, सीनियर मैनेजर, असिस्टेंट मैनेजर, मैनेजमेंट ट्रेनी
पदों की संख्या - 49
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://bdl-india.in

प्रगत संगणक विकास केंद्र (सीडेक)

पद का नाम - सीनियर प्रोजेक्ट इंजीनियर, प्रोजेक्ट एसोसिएट, प्रोजेक्ट इंजीनियर, प्रोजेक्ट ऑफिसर, प्रोजेक्ट सपोर्ट स्टाफ, प्रोजेक्ट टैकनीशियन, कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन एसोसिएट, प्रोडक्ट सर्विस एंड आउटरिच,
पदों की संख्या - 733
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 20 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://www.cdac.in

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमि.

पद का नाम - जूनियर एक्जीक्यूटिव (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन, कैमिकल)
पदों की संख्या - 234
योग्यता - न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ संबंधित विषय में इंजीनियरिंग डिप्लोमा
अंतिम तिथि - 14 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://www.hindustanpetroleum.com

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल

पद का नाम - प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी के साथ पीएचडी उपाधि
अंतिम तिथि - 15 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://recruit.nitw.ac.in

केंद्रीय चर्म अनुसंधान संस्थान

पद का नाम - तकनीशियन ग्रेड-I
पदों की संख्या - 41
योग्यता - मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ 10वीं कक्षा या समकक्ष उत्तीर्ण तथा आईटीआई प्रमाण पत्र हो।
अंतिम तिथि - 16 फरवरी, 2025
वेब.- https://www.clri.org/Careers

श्याम लाल कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)

पद का नाम - सहायक, कनिष्ठ सहायक, प्रयोगशाला सहायक (रसायन विज्ञान), प्रयोगशाला अटेंडेंट (रसायन विज्ञान), प्रयोगशाला सहायक (भौतिकी), लाइब्रेरी अटेंडेंट
पदों की संख्या - 18
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 14 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://slc.du.ac.in

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - अधिकारी, उप अधिकारी
पदों की संख्या - 30
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 13 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://pfcindia.com

एडमिशन अलर्ट

राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम - कृषि व्यवसाय प्रबंधन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा, नवाचार उद्यमिता और उद्यम विकास में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा, सस्टेनेबिलिटी मैनेजमेंट में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा
योग्यता- स्नातक
अंतिम तिथि - 28 फरवरी, 2025
वेबसाइट - https://ccsniam.gov.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

हमारा जिला नरसिंहपुर

प्रागैतिहासिक काल के तथ्य और प्राचीन संदर्भों से परिपूर्ण है नरसिंहपुर

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता, क्षमता और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। 'रोज़गार और निर्माण' के 'हमारा जिला' स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के जिले से आपको परिचित करवाते हैं। इस अंक में प्रस्तुत है नरसिंहपुर जिले का परिचय-

भौगोलिक स्थिति

नरसिंहपुर जिला मध्यप्रदेश के लगभग मध्य भाग में स्थित है। जिले की उत्तरी सीमा पर विंध्याचल और दक्षिणी सीमा पर सतपुड़ा श्रृंखला फैली हुई है। उत्तरी भाग में नर्मदा नदी बहती है। जिले के गजेटियर में उल्लेखित पुरातात्विक प्रमाणों के अनुसार गाडरवारा से दूर भटरा नामक ग्राम में 1872 में पाषाण युग के जीवाश्म युक्त पशु और बलुआ पत्थर से निर्मित उपकरण प्राप्त हुए हैं। अन्य खोज अभियानों में देवाकछार, धुवघट, कुम्हड़ी, रातीकरार और ब्रम्हाण घाट आदि स्थलों में प्रागैतिहासिक अवशेष मिले हैं। बिजौरी ग्राम के समीप चिन्हित शैलामय एवं नक्काशीदार चट्टानी गुफाएं भी जिले के अस्तित्व को प्राचीनतम काल से जोड़ते हैं। ब्रम्हाण घाट से झांसी घाट के बीच नर्मदा के तटवर्ती खोज अभियानों में मिले स्तनधारी जीवाश्म तथा पुरातात्विक औज़ारों के अवशेष जिले को प्रागैतिहासिक इतिहास से जोड़ते हैं।

पौराणिक संदर्भों के अनुसार ब्राह्मण घाट वह स्थल है जहां सृष्टि के रचियता ब्रम्हा ने पवित्र नर्मदा के तट पर यज्ञ किया था। चांवरपाठा विकास खंड के बिल्थारी ग्राम का प्राचीन नाम बलि स्थली कहा जाता है। इसे राजा बलि का निवास स्थान माना जाता है। महाभारत काल में बरमान घाट के सतधारा पर पाण्डवों द्वारा नर्मदा की धारा को एक ही रात में बांधने के प्रयत्न का उल्लेख पुराणों में हुआ है। सतधारा के निकट भीम कुण्ड, अर्जुन कुण्ड आदि इसी तथ्य को इंगित करते हैं। कहा जाता है कि पाण्डवों ने वनवास की कुछ अवधि यहां बिताई थी। सांकल घाट की गुफा आदि गुरु शंकराचार्य के गुरुदेव के अध्ययन एवं साधना से जुड़ी है।

जिले का बरहटा ग्राम महाभारत काल के विराट नगर का अवशेष माना जाता है। बचई के निकट मानवाकार पाषाण शिला को कीचक से जोड़ा जाता है। जिले के बोहानी क्षेत्र को पृथ्वीराज कालीन वीरचरित नायकों आल्हा-ऊदल के पिता जसराज व चाचा बछराज का गढ़ माना जाता है। अनेक ऐतिहासिक प्रमाणों का खुदाई में प्राप्त प्राचीन वस्तुओं तथा उल्लेखों से जिले का संदर्भ प्राचीन काल से जोड़ने वाले तथ्य हैं।

नर्मदा नदी, बरमान घाट

भूगोल नरसिंहपुर

नर्मदा के कछार के रूप में नरसिंहपुर जिले को अनेक प्राकृतिक उपहार मिले हैं। पूर्व में यह क्षेत्र अनेक राजवंशों के अधीन रहकर ऐतिहासिक वीरांगना दुर्गावती के शासनाधीन रहा है। उस काल में अन्य नामों से उल्लेख मिलता है। अठारहवीं शताब्दी में जाट सरदारों ने यहां भव्य मंदिर का निर्माण करवाया और भगवान नरसिंह की मूर्ति प्रतिष्ठित करवाई। तब से यहां जिले का मुख्यालय बना और गड़रिया खेड़ा नाम का यह ग्राम "नरसिंहपुर" के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

कृषि

नरसिंहपुर मुख्यतः कृषि प्रधान जिला है। **प्रमुख फसलें**- गेंहू, चना, मटर, अलसी, मसूर आदि हैं। इसके अलावा धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, कोदो, कुटकी आदि भी होते हैं।

जिले की व्यापारिक फसलों में सोयाबीन तथा गन्ना प्रमुख हैं। सोयाबीन उत्पादन में नरसिंहपुर जिला मध्यप्रदेश में प्रथम है।

वन संपदा

जिले में वनों का प्रतिशत लगभग 26.55 प्रतिशत है। यहां मिश्रित वन, कटीली झाड़ियों वाले वन, पतझड़ वाले वन पाये जाते हैं। सतपुड़ा एवं विंध्याचल की पहाड़ियों पर सागौन, साल, बांस, साज तथा समतल स्थानों पर महुआ, आम, खैर, अचार, करौंदा, हर्र, बहेड़ा, और आम के वृक्ष पाये जाते हैं। जिले में तेन्दूपत्ता संग्रहण का कार्य मई-जून के महीने में किया जाता है। वनों से आंवला, चिरौंजी, हर्र, बहेड़ा गोंद एवं जड़ी बूटियां प्राप्त होती हैं। आम पूरे जिले में अत्यधिक मात्रा में होता है।

खनिज

नरसिंहपुर जिले में सोप स्टोन, डोलोमाईट, फायर क्ले, चूने का पत्थर आदि बहुतायत में पाया जाता है। इसके अतिरिक्त ग्राम गोटीटोरिया के पास की चट्टानों से ईमारती पत्थर निकाला जाता है। फायर क्ले मुख्यतः कन्हारपानी, बचई हींगपानी, व हिरणपुर की पहाड़ियों से मिलता है। जिले की पहाड़ियों से मुरम, गिट्टी प्राप्त की जाती है तथा नदियों से रेत, एवं चूने के पत्थर से सीमेंट व सीमेंट के पाईप बनाये जाते हैं। ग्राम चीचली में तांबे में जस्ता मिलाकर पीतल के बर्तन बनाये जाते हैं।

उद्योग

नरसिंहपुर जिले में कई उद्योग हैं। कृषि यंत्र एवं लोहे का सामान– तेन्दूखेड़ा एवं डांगीढ़ाना में कृषि उपकरणों के अतिरिक्त लोहे का सामान भी तैयार किया जाता है।

गुड-शक्कर और गन्ना - जिले में अधिकांश स्थानों पर गुड़ बनाया जाता है। करेली गुड़ की मंडी के लिये प्रसिद्ध है। नरसिंहपुर एवं गाड़रवारा में शक्कर की मिलें हैं।

दाल मिल - तुअर (अरहर) की दाले मुख्यतः नरसिंहपुर और गाडरवारा में तैयार की जाती हैं।

तेल मिलें - जिले में सोयाबीन, मूंगफली, तिल्ली, आदि के तेल बनाने की अनेक मिलें हैं। इसके अतिरिक्त जिले में सीमेंट पाइप, पेपर,प्लास्टिक एवं रबर के अनेक उद्योग स्थापित हैं। चमड़ा (चर्म) का कार्य, मिट्टी के बर्तन,मुर्गी पालन, बकरी पालन, तथा मछली पालन का कार्य भी किया जाता है।

पर्यटन स्थल

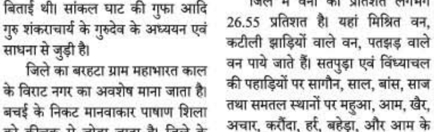

टोनघाट (छोटा धुंआधार)- नरसिंहपुर गोटेगांव मार्ग पर बेलखेड़ी से लगभग 12 किलोमीटर दूर शेर नदी के तट पर स्थित टोनघाट प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर रमणीक स्थल है। इसे छोटा धुंआधार के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि पांडवों ने अज्ञातवास का समय यहाँ व्यतीत किया था। राजा विराट की नगरी होने के कारण कालान्तर में गांव का नाम बरहेटा हो गया।

दादा महाराज दूल्हादेव मंदिर- शहर से करीब 6 किलोमीटर दूर एनएच 26 पर बना दादा महाराज का मंदिर आस्था का केंद्र है। यहां बड़ी संख्या में लोग दूर-दूर से दर्शन और मनौती के लिए आते हैं। शनिवार को दर्शन के विशेष महत्व के चलते इस दिन श्रद्धालुओं का मेला देखने को मिलता है।

डमरूघाटी, गाडरवारा - शंकर नदी के तट पर डमरू के आकार की एक घाटी में एक भव्य शिव मंदिर बनाया गया था। इस मंदिर में शिवलिंग स्थापित किया गया है और पवनपुत्र हनुमान जी की महान प्रतिमा के बगल में प्रतिष्ठित किया गया है।

झोतेश्वर (परमहंसी गंगा आश्रम)

मध्य रेलवे के मुंबई-कोलकाता मार्ग पर श्रीधाम (गोटेगांव) रेल्वे स्टेशन से 15 किलोमीटर की दूरी पर प्रकृति की मनोरम छटा के बीच बना मां राज-राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी का विशाल एवं भव्य मंदिर दर्शनीय है। यहां झोतेश्वर मंदिर, लोधेश्वर मंदिर, हनुमान टेकरी, विचार शिला एवं स्फटिक से निर्मित शिवलिंग भी दर्शनीय है। यह जगतगुरु शंकराचार्य ज्योतिष एवं द्वारिका पीठाधीश्वर सरस्वती जी महाराज की तपोभूमि एवं कर्मभूमि भी है। यहां पर बसंत पंचमी के अवसर पर सात दिवस का मेला लगता है।

चौरागढ़ का किला

चौरागढ़ का किला गाडरवारा से 19 किलोमीटर की दूरी पर प्राचीन काल का किला जो कि अब खंडहर हो चुका है जिसे गढ़ा राजवंश के गौंड़ राजा संग्राम शाह द्वारा 15 वीं शताब्दी में निर्माण कराया गया था।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

नेशनल चैम्पियनशिप में कमल ने जीता कांस्य पदक

इंदौर, मध्यप्रदेश के स्टार बिलियर्ड्स एवं स्नूकर खिलाड़ी कमल चावला ने इंदौर में आयोजित नेशनल बिलियर्ड्स और स्नूकर चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 रेड स्नूकर स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया है। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में कमल को उत्तरप्रदेश के पारस गुप्ता के खिलाफ 6-5 से नजदीकी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद कांस्य पदक के लिए खेले गए मुकाबले में कमल ने महाराष्ट्र के रियान राजमी को 4-3 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में कमल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। कमल ने स्पर्धा में 79 अंकों का हाईएस्ट ब्रेक लगाया जो कि 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। दरअसल 6 रेड स्नूकर में अधिकतम 75 अंक मिलते हैं, लेकिन कमल को एक फ्री बॉल मिली, जिससे उन्होंने 79 अंक का ब्रेक बनाया। उल्लेखनीय है कि कमल का मध्यप्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर यह 15वां पदक है।

आईसीसी महिला अंडर-ट्वेंटी-20 विश्वकप

भारतीय टीम लगातार दूसरी बार बनीं चैम्पियन

क्वालालंपुर, भारत की उभरती महिला खिलाड़ियों ने अपना दबदबा बनाते हुए लगातार दूसरी बार आईसीसी महिला अंडर-19 ट्वेंटी-20 विश्वकप का खिताब जीत लिया है। निक्की प्रसाद के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से करारी शिकस्त दी।

फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी के सामने यह निर्णय गलत साबित हुआ। पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेहतरीन गेंदबाजी करने वाली भारतीय स्पिनरों ने फाइनल में भी अपना जलवा दिखाया और दक्षिण अफ्रीका को 82 रनों पर ढेर कर दिया। भारत के लिए गोंगादी तृषा ने 3 विकेट लिए जबकि पारूनिका सिसोदिया, आयुषी शुक्ला और वैष्णवी शर्मा ने 2-2 विकेट लिए।

भारतीय टीम ने जीत के लिए मिले 83 रनों के लक्ष्य का पीछा आक्रामक अंदाज में किया। सलामी बल्लेबाज गोंगादी तृषा और जी. कमालिनी ने पहले विकेट के लिए 36 रनों की साझेदारी की, कमालिनी बड़ी पारी नहीं खेल सकी और 8 रन बनाकर आउट हो गई। इसके बाद गोंगादी तृषा (44) और सानिका चाल्के (26) ने भारतीय टीम को 11.2 ओवरों में ही सफलतापूर्वक लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

- भारतीय महिला टीम ने दूसरी बार जीता है आईसीसी अंडर-19 ट्वेंटी-20 विश्वकप।
- इससे पहले भारतीय टीम ने वर्ष 2023 में यह विश्वकप जीता था।
- भारत की गोंगादी तृषा ने इस विश्वकप में 309 रन बनाये और 7 विकेट झटके।
- तृषा विश्वकप में 300 से ज्यादा रन बनाने वाली पहली खिलाड़ी बनीं।
- भारत की वैष्णवी शर्मा इस विश्वकप में सबसे ज्यादा विकेट (17) लेने वाली गेंदबाज बनीं।

भारतीय गेंदबाजों का रहा दबदबा

पूरे विश्वकप में भारतीय टीम का दबदबा रहा। टूर्नामेंट में एक भी टीम भारतीय टीम को टक्कर भी नहीं दे सकी। टूर्नामेंट में भारतीय टीम अजेय रही और सभी मैचों को बड़े अंतर से जीता। भारतीय गेंदबाजों के सामने सिर्फ इंग्लैंड की टीम ही 100 रनों का आंकड़ा छू सकी। पूरे टूर्नामेंट के दौरान भारतीय गेंदबाजों ने कुल 58 विकेट लिए, इनमें से 48 विकेट स्पिनरों के नाम रहे।

मध्यप्रदेश की आयुषी और वैष्णवी का शानदार प्रदर्शन

भारत को आईसीसी महिला अंडर-19 ट्वेंटी-20 विश्वकप का खिताब दिलाने में मध्यप्रदेश की आयुषी शुक्ला और वैष्णवी शर्मा का अहम योगदान रहा। आयुषी ने फाइनल में दो विकेट लिए जबकि वैष्णवी ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट झटके। इससे पहले वैष्णवी ने सुपर सिक्स राउंड में हैट्रिक लेकर इतिहास रचा था। विश्वकप में वैष्णवी ने 7 विकेट अपने नाम किए वहीं आयुषी ने 14 विकेट झटके।

बजट में खेलो इंडिया योजना के लिए एक हजार करोड़ रुपये का प्रावधान

नई दिल्ली, केंद्र सरकार ने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बजट में खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय के बजट में 351.98 करोड़ रुपये की वृद्धि की है। बजट में सबसे ज्यादा फायदा खेलो इंडिया योजना को मिला है। बजट में खेलो इंडिया के लिए एक हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो कि पिछले वर्ष के बजट (800 करोड़ रुपये) से अधिक है। इस वर्ष बजट में खेलों के लिए 3794.30 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

डेविस कप में भारत ने टोगो को 4-0 से हराया

नई दिल्ली, भारतीय टेनिस टीम ने डेविस कप के विश्व ग्रुप एक में जगह बना ली है। भारत ने डेविस कप के विश्व ग्रुप एक प्लेऑफ में टोगो को 4-0 से हराया। प्लेऑफ के पहले एकल मुकाबले में भारत के शशिकुमार मुकुंद ने लियोवा अजावोन को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराया। इसके बाद दूसरे एकल मुकाबले में रामकुमार रामनाथन ने थॉमस सेतोड्जी को 6-0, 6-2 से हराया। वहीं श्रीराम बालाजी और ऋत्विक चौधरी की जोड़ी ने युगल मुकाबले में टोगो के मलापा टियांगो और होडाबालो पेडियो की जोड़ी को 6-2, 6-1 से मात दी। इसके बाद पहले रिवर्स एकल मुकाबले में करन सिंह ने होडाबालो पेडियो को 6-2, 6-3 से हराकर भारत की बढ़त 4-0 कर दी।

ट्वेंटी-20 में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बने अभिषेक

मुंबई, भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। अभिषेक ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभिषेक ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज के पांचवें और अंतिम मैच में 135 रनों की शानदार पारी खेली।

मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने मजबूत शुरुआत दिलाई, हालांकि सैमसन 16 रन ही बना सके। इसके बाद अभिषेक ने तिलक वर्मा (24) और शिवम दुबे (30) के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। अभिषेक ने महज 37 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। अभिषेक की पारी की बदौलत भारतीय टीम ने 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 247 रन बनाये।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट ने आक्रामक शुरुआत दिलाई, लेकिन सॉल्ट को दूसरे छोर पर साथ नहीं मिला। सॉल्ट ने अकेले संघर्ष करते हुए 23 गेंदों में 55 रन बनाये। इंग्लैंड की टीम 10.3 ओवरों में 97 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

- ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ यह भारत की सबसे बड़ी जीत है।
- अभिषेक ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक पारी में सबसे ज्यादा (13) छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने।

भारत के 15 वर्षीय गोल्फर कार्तिक ने रचा इतिहास

गुरुग्राम, भारतीय एमेच्योर गोल्फ खिलाड़ी कार्तिक सिंह ने इंटरनेशनल सीरीज इंडिया में कट हासिल कर इतिहास रच दिया है। 15 वर्षीय कार्तिक एशियाई टूर स्पर्धा में यह कारनामा करने वाले भारतीय उपमहाद्वीप के सबसे युवा गोल्फर बन गए हैं। कार्तिक ने इंटरनेशनल सीरीज इंडिया प्रतियोगिता के दूसरे दौर में एक अंडर 71 का कार्ड खेला, जिससे उनका कुल स्कोर चार अंडर हो गया, जबकि प्रतियोगिता का कट स्कोर आठ अंडर था।

तेजस ने बाधा दौड़ में फिर बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

मिरामास, भारत के युवा धावक तेजस शिरसे ने 60 मीटर बाधा दौड़ में एक बार फिर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। तेजस ने फ्रांस के मिरामार में आयोजित इलाइट इंडोर ट्रैक स्पर्धा में 60 मीटर बाधा दौड़ में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने 60 मीटर यह दौड़ 7.64 सेकेंड में पूरी करते हुए रजत पदक जीता। इससे पहले तेजस ने जनवरी 2025 में एक प्रतियोगिता में 60 मीटर बाधा दौड़ 7.65 सेकेंड में पूरी की थी।

टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट

गुकेश को हराकर प्रगनानंद बने चैम्पियन

नीदरलैंड्स, भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रगनानंद अंतर्राष्ट्रीय शतरंज में अपना दबदबा कायम किया है। प्रगनानंद ने अपने हमवतन खिलाड़ी और मौजूदा विश्व चैम्पियन डी. गुकेश को हराकर प्रतिष्ठित टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। प्रगनानंद ने गुकेश को टाइब्रेकर में 2-1 से हराकर यह खिताब जीता है।

फाइनल राउंड में 13 बाजियों के बाद दोनों खिलाड़ी 8.5-8.5 अंक लेकर बराबरी पर थे। इसके बाद विजेता का फैसला टाइब्रेकर से हुआ। टाइब्रेकर की पहली बाजी में गुकेश ने सफेद मोहरों के साथ जीत दर्ज की और खिताब के नजदीक पहुंच गए। दूसरी बाजी में ड्रॉ होने पर गुकेश के लिए खिताब जीतना तय था, लेकिन प्रगनानंद ने जोरदार वापसी करते हुए दोनों ब्लिट्ज गेम जीत लिए और विश्व चैंपियन को चौंका दिया। टाइब्रेकर की दो बाजियों के बाद भी जब दोनों खिलाड़ी बराबरी पर रहे, तो सडन डेथ में निर्णायक मुकाबला हुआ। आखिरी 10 सेकंड में मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, लेकिन गुकेश की एक गलती ने प्रगनानंद ने इसका बखूबी फायदा उठाया और बाजी अपने नाम की।

आर. प्रगनानंद ने जीत के बाद टूर्नामेंट की आधिकारिक वेबसाइट से कहा कि मेरे पास इस जीत को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं है। मुझे वास्तव में जीत की उम्मीद नहीं थी लेकिन चीजें मेरे अनुकूल होती रहीं। मैं यहां जीत का लक्ष्य लेकर आया था लेकिन चुनौती काफी कड़ी थी।

राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मनोज ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, भारत के अनुभवी मुक्केबाज और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मनोज कुमार ने मुक्केबाजी से संन्यास लेने की घोषणा की है। मनोज अब कोच के रूप में अपनी नई पारी शुरू करेंगे। लाइट वेल्टरवेट (64 किलोग्राम) भारवर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाले मनोज ने वर्ष 2010 में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा मनोज ने एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में दो बार कांस्य पदक भी जीते हैं। मनोज वर्ष 2012 के लंदन ओलंपिक और वर्ष 2016 के रियो ओलंपिक में प्री क्वार्टर फाइनल तक जगह बना चुके हैं। मनोज कुमार वर्ष 2014 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं।

राष्ट्रीय खेल-2025

मध्यप्रदेश की पुरुष बास्केटबॉल टीम ने जीता स्वर्ण पदक

देहरादून, उत्तराखंड में खेले जा रहे राष्ट्रीय खेल-2025 में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की पुरुष टीम ने बास्केटबॉल 3 गुणा 3 स्पर्धा में इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया है। राष्ट्रीय खेल-2025 में मध्यप्रदेश ने समाचार लिखे जाने तक 17 स्वर्ण, 7 रजत और 10 कांस्य पदक सहित कुल 34 पदक जीत लिये हैं और पदक तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज है।

मध्यप्रदेश की बास्केटबॉल टीम ने स्पर्धा के फाइनल में केरल को 22-20 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। यह पहला अवसर है जब राज्य की बास्केटबॉल टीम ने किसी सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया है। मध्यप्रदेश की पदक विजेता टीम में सोनू कुमार शर्मा, तुषल सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, ब्रजेश तिवारी शामिल है। प्रतियोगिता में प्रदेश की महिला बास्केटबॉल टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया और कांस्य पदक जीता।

- प्रदेश के विशाल केवट ने स्लालोम सी-1 पुरुष वर्ग में जीता स्वर्ण पदक।
- मध्यप्रदेश की आशी चौकसे ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड।

पलक शर्मा ने डाइविंग में जीता स्वर्ण पदक

राष्ट्रीय खेलों में मध्यप्रदेश की पलक शर्मा ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। पलक ने महिलाओं की एक मीटर स्प्रिंग बोर्ड डाइविंग महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में यह पदक जीता। इस स्पर्धा में रजत पदक तमिलनाडु की मृणालिनी और कांस्य पदक महाराष्ट्र की शमा बंगेरा ने जीता। राष्ट्रीय खेलों में पलक शर्मा का यह दूसरा स्वर्ण पदक है।

रोइंग में जीते पांच स्वर्ण पदक

मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों रोइंग में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। रोइंग में मध्यप्रदेश को एक दिन में ही 5 स्वर्ण पदक मिले जो कि नया रिकॉर्ड है। मध्यप्रदेश ने सेना की टीम को हराकर रोइंग की ओवरऑल चैम्पियनशिप अपने नाम की, वहीं लाइटवेट डबल स्कल महिला वर्ग में रुक्मणी और पूनम ने, एकल स्कल में खुशप्रीत कौर ने, कोक्सलेस पेअर पुरुष वर्ग में भीम और मनमोहन ने, कोक्सलेस पेअर महिला वर्ग में दिलजीत कौर और गुरवानी कौर तथा क्वाड्रपल महिला स्कल में संतोष यादव, खुशप्रीत, पूनम और रुक्मणी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किये।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

डोनाल्ड ट्रंप के नागरिकता खत्म करने वाले आदेश पर रोक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से जारी जन्म से नागरिकता को खत्म करने के आदेश पर दूसरी बार रोक लगा दी गई है। मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट में एक संघीय न्यायाधीश डेबोरा बोर्डमैन ने इस आदेश पर अस्थायी रोक लगाने का फैसला सुनाया। इससे पहले वाशिंगटन राज्य में एक अन्य न्यायाधीश ने आदेश को 'असंवैधानिक' करार देते हुए रोक लगा दी थी।

समावेशी विकास भारत के आर्थिक खाके का आधार

केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत आने वाले वर्षों में मुद्रास्फीर्ति को नियंत्रण में रखते हुए 6 प्रतिशत से 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को आराम से बनाए रखेगा। श्री वैष्णव ने 23 जनवरी को स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इनकॉमिक फोरम की वार्षिक बैठक के एक सत्र के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि समावेशी विकास भारत के आर्थिक खाके का एक प्रमुख स्तंभ बना हुआ है, देश में विनिर्माण, सेवाओं और कानूनों के सरलीकरण पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री ने सुनिश्चित किया कि आर्थिक विकास का लाभ समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचे। बैठक के दौरान श्री अश्विनी वैष्णव ने विभिन्न उद्योग जगत के नेताओं के साथ चर्चा भी की।

समुद्री, आर्थिक और तकनीकी सुरक्षा मजबूत करने का संकल्प

केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वाशिंगटन में आयोजित क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया, जिसमें उन्होंने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के लिए समूह की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। एक संयुक्त बयान में क्षेत्रीय शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून, लोकतांत्रिक मूल्यों और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया गया। क्वाड राष्ट्रों ने लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देते हुए समुद्री, आर्थिक और तकनीकी सुरक्षा को मजबूत करने का भी संकल्प लिया। भारत द्वारा आयोजित अगले क्वाड लीडर्स समिट की तैयारियां चल रही हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय बजट 2025-26 पर देशवासियों को किया संबोधित

140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा विकसित भारत बजट - प्रधानमंत्री

- विकसित भारत बजट एक बल गुणक है।
- बजट प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाता है।
- कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाएगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।
- बजट हमारे देश के मध्यम वर्ग को बहुत लाभ पहुंचाएगा।
- उद्यमियों, एमएसएमई और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाएगा बजट।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय बजट 2025-26 पर देशवासियों को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि यह अवसर भारत के विकास की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बजट 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है और हर नागरिक के सपनों को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए कई क्षेत्र खोले गए हैं और आम नागरिक विकसित भारत के मिशन को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बजट एक ऐसा बल गुणक है, जो बचत, निवेश, खपत और विकास को बढ़ाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सामान्यतः बजट का ध्यान सरकार के खजाने को भरने पर होता है। लेकिन इस बजट में नागरिकों की जेब भरने, उनकी बचत बढ़ाने और उन्हें देश के विकास में भागीदार बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बजट इन लक्ष्यों की नींव रखता है।

देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बजट में सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने परमाणु ऊर्जा में निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने के ऐतिहासिक फैसले पर चर्चा करते हुए कहा कि भविष्य में असैन्य परमाणु ऊर्जा देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट में सभी रोज़गार क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। आने वाले समय में महत्वपूर्ण बदलाव लाने वाले दो बड़े सुधारों की बात करते हुए उन्होंने कहा कि जहाज निर्माण को अवसंरचना का दर्जा देने से भारत में बड़े जहाजों के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा, आत्मनिर्भर भारत अभियान में तेजी आएगी। अवसंरचना की श्रेणी में 50 पर्यटन स्थलों पर होटलों को शामिल करने से पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा, जिससे आतिथ्य क्षेत्र, जो सबसे बड़ा रोज़गार क्षेत्र है, को नई ऊर्जा मिलेगी। देश "विकास भी, विरासत भी" के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है। इसके अतिरिक्त, भारतीय ज्ञान परंपराओं से प्रेरित एक राष्ट्रीय डिजिटल भण्डार बनाया जाएगा।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई क्रांति लायेगा बजट

बजट में किसानों के लिए की गई घोषणाएं कृषि क्षेत्र और पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई क्रांति की नींव रखेंगी। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत 100 जिलों में सिंचाई और अवसंरचना का विकास किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने से किसानों को अधिक सहायता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि बजट में 12 लाख रुपये तक की आय को कर से मुक्त रखा गया है। सभी आय वर्गों के लिए कर में कटौती की गई है, जिससे मध्यम वर्ग और नई नौकरी पाने वालों को बहुत लाभ होगा।

वैश्विक बाजार में अपनी चमक बिखेरें

प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट में उद्यमियों, एमएसएमई और छोटे व्यवसायों को मजबूत करने और नई नौकरियां पैदा करने के लिए विनिर्माण पर 360 डिग्री यानी संपूर्ण ध्यान केंद्रित किया गया है। स्वच्छ प्रौद्योगिकी, चमड़ा, फुटवियर और खिलौना उद्योग जैसे क्षेत्रों को राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन के तहत विशेष समर्थन मिला है।

सिंगापुर में नस्लीय सद्भाव पर नया कानून पारित

सिंगापुर में नस्लीय सद्भाव मजबूत करने वाला नया कानून पारित किया गया है। इसका उद्देश्य देश में नस्लीय सद्भाव को बढ़ावा देना और साथ ही विदेशी हस्तक्षेप पर लगाम लगाना है। यह कानून सिंगापुर की संसद में एकमत से पारित हो गया। सिंगापुर में 300 समूह और व्यापारिक संघों को नस्ल आधारित इकाई घोषित कर इन्हें मिलने वाली विदेशी आर्थिक मदद का खुलासा करना होगा।

दो फरवरी को यह कानून पारित किया गया। सिंगापुर के गृह और कानून मंत्री के. षणमुगम ने कहा कि सिंगापुर में पहले से ही नस्लीय सद् भाव को खतरे में डालने वाले आचरण से निपटने के कानून हैं, लेकिन नया कानून इन कानूनों को एक जगह पर लाता है। नए कानून में सामुदायिक सुधारात्मक पहल की शुरुआत की गई है, जो कम गंभीर नस्लीय अपराधों में आरोपियों को अभियोजन के बदले एक मौका देता है। हालांकि इससे सिंगापुर में मुक्त भाषण पर थोड़ी लगाम लगेगी। षणमुगम ने कहा, 'हमने हमेशा सिंगापुर में नस्लीय सद्भाव को अहम आधार माना है, और इसलिए इस विधेयक को उसी संदर्भ में देखना चाहिए।'

पनडुब्बी निर्माण के लिए भारत और जर्मनी में हुआ करार

जर्मन इंजीनियरिंग और स्ट्रील उत्पादन समूह थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (TKMS) को भारतीय नौसेना की वायु स्वतंत्र प्रणोदन (एआईपी) पनडुब्बी डील मिलने का रास्ता साफ हो गया है। इस डील को पाने के लिए थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम के अलावा स्पेस की कंपनी नवंतिया दावेदार थी। लेकिन, भारतीय रक्षा मंत्रालय ने कुछ दिनों पहले नवंतिया के ऑफर को ठुकरा दिया है। ऐसे में अब जर्मनी का थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स भारत के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के साथ मिलकर भारत में ही छह पनडुब्बियों का निर्माण करेगा। दोनों कंपनियों ने हाल ही में पुष्टि की है कि भारत के रक्षा मंत्रालय ने 'आगे की प्रक्रिया' के लिए डील को हरी झंडी दे दी है।

एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा है कि भारतीय रक्षा मंत्रालय ने कंपनी को वाणिज्यिक वार्ता के लिए आमंत्रित किया था। चर्चाओं से जुड़े लोगों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में इस परियोजना का मूल्य लगभग 5.2 बिलियन डॉलर बताया गया है, लेकिन अंतिम आंकड़ा इससे अधिक भी हो सकता है। रिपोर्ट में थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स के सीईओ ओलिवर बर्कहार्ड ने कहा, 'साझेदारी में काम करके और जर्मन और भारतीय सरकारों के समर्थन से मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स और थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स एक टिकाऊ और सुरक्षित समुद्री भविष्य के लिए मानक स्थापित करेंगे।'

तुर्किये सैन्य समझौते के तहत सीरिया में बनाएगा अपना मिलिट्री बेस

सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे के बाद तुर्किये की योजना सीरिया में दो सैन्य अड्डे बनाने की है। इन सैन्य अड्डों पर एफ-16 लड़ाकू विमानों को तैनात करने पर विचार किया जा रहा है। तुर्किये के एक अखबार ने खबर दी है कि इसे लेकर तुर्किये और सीरिया जल्द ही एक संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। इस समझौते के अनुसार, युद्ध की स्थिति में तुर्किये अपने पड़ोसी देश सीरिया की रक्षा करने के लिए बाध्य होगा। तुर्किये ने हाल ही तख्तापलट के दौरान सीरियाई विद्रोहियों की जमकर मदद की थी। कई रिपोर्ट्स में यहां तक दावा किया गया था कि तुर्किये की सेना के कमांडो विद्रोहियों की तरफ से बशर अल-असद सरकार के खिलाफ युद्ध में शामिल थे।

कम समय में ही सीरिया पर कब्जा

इसके अलावा तुर्किये ने विद्रोहियों को खुफिया जानकारियां देने के अलावा बड़ी मात्रा में हथियार और दूसरे सैन्य साजोसामान भी प्रदान किए थे। इससे विद्रोहियों ने 10 दिनों से भी कम समय में असद की सत्ता को उखाड़ फेंका और सीरिया पर कब्जा जमा लिया।

तुर्किये की सेना सीरियाई सेना को ट्रेनिंग भी देगी

रक्षा समझौते के अनुसार, तुर्किये की सेना सीरियाई सेना को ट्रेनिंग भी देगी। इसके अलावा तुर्किये की वायु सेना ने सीरिया में 50 एफ-16 लड़ाकू विमान तैनात किए जाने की तैयारी की है। सीरिया में तुर्किये कई रडार स्टेशन भी स्थापित करेगा, जो इजरायल और तुर्किये के बीच एक बफर जोन का काम करेगा। ऐसे में अगर सीरिया से इजरायली लड़ाकू विमान गुजरते हैं तो इसकी जानकारी तुर्किये को हो जाएगी।

धूम्रपान के खिलाफ इटली में नया कानून लागू

इटली में अब धूम्रपान के खिलाफ कई तरह के कानून बनाए गये हैं। धीरे-धीरे कानूनों के जरिए मूवी थिएटर और रेस्टोरेंट्स जैसे इनडोर जगहों पर सिगरेट पीने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। वहीं अब मिलान शहर में सार्वजनिक स्थानों पर भी स्मोकिंग करने वालों के लिए नये नियम बनाए गये हैं। इटली की सरकार ने ऑउटडोर सिगरेट पीने को लेकर कई तरह के सख्त नियमों की घोषणा की है। नये नियमों के तहत बाहर में लोग तभी सिगरेट पी सकते हैं, जब आसपास कोई दूसरे लोग मौजूद ना हों।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।